INTERNSHIP PROGRAMME

स्कूल इंटर्नशीप प्रोग्राम के अन्तर्गत प्रशिक्षुओं द्वारा किये जाने वाले कार्य एवं प्रत्येक कार्य के आकलन हेतु निर्धारित अंकों का विवरण–

	कुल चार माह : पाँच घंटे प्रतिदिन	
कार्य	विवरण	आकलन हेतु निर्धारित अंक
01	स्कूल डायरी	10
02	कक्षा अवलोकन (सहपाठी अवलोकन)	15
03	विद्यालय अवलोकन (विद्यालय प्रबंधन या विद्यालय प्रबंध समिति सदस्यों से बात–चीत इत्यादि)	15
04	शिक्षार्थी–प्रशिक्षु संवाद	10
05	वृत्तिगत आचार–विचार	10
06	प्रायोजना कार्य और क्रियात्मक–शोध	40 (20 + 20)
07	शिक्षण–अभ्यास (Learning Plan)	50
	बाह्य आकलन (प्रायोगिक परीक्षा)	50
	कुल	200

NCTE द्वारा निर्धारित स्कूल स्थानबद्ध इनटर्नशिप कार्यक्रम के लिए दिशा निर्देश:-

- इनटर्नशिप कार्यक्रम का उद्देश्य व्यावसायिक क्षमता में वृद्धि, अध्यापकीय प्रभावशीलता और कौशलों में वृद्धि है।
- B.Ed. पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के प्रशिक्षुओं को सक्रिय रूप से शिक्षण में प्रवृत्त किया जाएगा। उन्हें उच्च प्राथमिक कक्षा (6 से 8) तथा माध्यमिक कक्षा (9 से 10) अथवा उच्च माध्यमिक कक्षा (11 से 12) जिसमें कम से कम 16 सप्ताह माध्यमिक/उच्च माध्यमिक कक्षाओं के लिए होंगे।
- इसमें शिक्षण अभ्यास के अतिरिक्त एक सप्ताह की प्रारंभिक प्रावस्था होगी जिस अवधि में प्रशिक्षु सामान्य कक्षा के नियमित अध्यापक के अध्यापन का प्रेक्षण करेंगे। इसके अतिरिक्त अभ्यास पाठों का समकक्ष (peer observation) प्रेक्षण भी करेंगे।
- विद्यालय स्थानबद्ध प्रशिक्षण के लिए अध्यापक शिक्षा संस्थानों तथा सम्बद्ध विद्यालयों द्वारा प्रशिक्षुओं को परामर्श देने, उनका पर्यवेक्षण करने, उन पर दृष्टि रखने और उनका आंकलन करने के लिए एक परस्पर सम्मत प्रक्रिया स्थापित की जाएगी।

प्रशिक्षु–विद्यार्थी संवाद

- स्कूल के प्रत्येक बच्चे की व्यक्तिगत विभिन्नता को देखते हुए यह आवश्यक है कि प्रशिक्षु–शिक्षक इन विभिन्नताओं का पता लगाये एवं उन्हें स्वयं को समझने में मदद करें। इस कार्य हेतु प्रशिक्षु–शिक्षक प्रतिदिन एक शिक्षार्थी से सौहार्द्रपूर्ण ढंग से उसकी रुचि, जिज्ञासा, आदत, परिवार, उसका स्कूल, उसकी मित्र मंडली, पसंद–नापसंद इत्यादि पर बातचीत करेगा, आवश्यक सलाह देगा, प्रगति का निरीक्षण करेगा।

मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

SCHOOL CONTACT PROGRAMME (विद्यालय संपर्क कार्यक्रम)

बी.एड. के दो वर्षीय नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार प्रथम वर्ष में विद्यालय संपर्क कार्यक्रम को शामिल किया गया है। चार सप्ताह के इस संपर्क कार्यक्रम का आशय समग्रता में विद्यालय को समझ विकसित करना तथा विद्यालयी जीवन को आत्मसात करना है। अवलोकन एवं अनुभव इस कार्यक्रम की प्रथम एवं आखिरी मांग है। अतः आप अपने चार सप्ताह के इस कार्यक्रम में यह कोशिश करेंगे कि विद्यालय व उसके परिवेश के बारे में जानें, ताकि शिक्षार्थी शिक्षक, समुदाय, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक एवं सह–शैक्षिक गतिविधियां आप के लिए अबूझ पहेली ना रहें।

इस कार्यक्रम में निम्न सारणी के अनुसार आप अपने अनुभवों का दस्तावेजीकरण करेंगे। आपका यह दस्तावेज मूल्यांकन का एक आधार होगा। विद्यालय संपर्क कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षुओं द्वारा किये जाने वाले कार्य एवं प्रत्येक कार्य के आकलन हेतु निर्धारित अंकों का विवरण निम्न सारणी में वर्णित है :–

	एक माह (चार सप्ताह) : पाँच घंटे प्रतिदिन	
कार्य	विवरण (Description)	आकलन हेतु निर्धारित अंक
01	स्कूल डायरी (School Diary)	05
02	कक्षा अवलोकन (शिक्षक–शिक्षण अवलोकन) (Classroom Observation)	10
03	विद्यालय अवलोकन (विद्यालय प्रबंधन या विद्यालय प्रबंध समिति सदस्यों से बात–चीत इत्यादि) (School Observation, Interaction with SMC)	10
04	शिक्षार्थी–प्रशिक्षु संवाद (School-Trainee Dialog)	10
05	व्यक्ति अध्ययन (Case Study)	05
06	सीखने की योजना (Learning Plan)	10
	कुल	50

स्कूल डायरी

प्रशिक्षु–शिक्षक, स्कूल, डायरी में प्रतिदिन के अपने स्कूल के अनुभवों को लिखेंगे। विद्यालय की सम्पूर्ण व्यवस्था में उसके अध्यापक, शिक्षार्थी, विद्यालय से जुड़े लोग, सुविधाएँ, वातावरण इत्यादि का विवरण लिखा जायेगा। विद्यालय में आपकी उपस्थिति में घटित सम्पूर्ण घटनाओं जैसे– चेतना सत्र, कक्षा–शिक्षण एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को विस्तृत रूप से लिखा जायेगा। आपकी अपनी राय एवं प्रतिदिन की समीक्षा भी लिखी जायेगी। साथी प्रशिक्षुओं से प्रतिदिन की घटनाओं पर विमर्श भी किया जायेगा।

स्कूल डायरी प्रशिक्षु को शिक्षार्थी प्रेमी, मननशील, प्रयोगधर्मी, सूक्ष्म अवलोकनकर्ता एवं अच्छे आयोजक तथा प्रबन्धक बनने में मदद करेगी। समाज एवं उसकी जरूरतों को देखने–समझने एवं चिंतन करने में मदद करेगी।

कक्षा अवलोकन (Class Observatin)

प्रशिक्षु विद्यालय के नियमित शिक्षकों द्वारा पढ़ायी जा रही कक्षा–कक्षा का नियमित अवलोकन करेंगे। जिससे कक्षा–शिक्षण का सजीव अनुभव व्यक्तिगत रूप से प्राप्त हो सके। कक्षा–कक्षा अवलोकन का आधार अवलोकन प्रपत्र होगा। जिसपर वे प्रतिदिन के कक्षा अवलोकन का विवरण दर्ज करेंगे।

Presentation

शिक्षण का प्रतिमान

Submitted to- Rekha mam
Submitted by- Puja Kumari(875,A)

शिक्षण का प्रतिमान
(Model of teaching)

परिचय (Introduction)

शिक्षण के उद्येश्यों को प्राप्त करने में उपयोग की गयी विधि- प्राविधियो को शिक्षण का प्रतिमान कहते हैं।

प्रतिमान (उद्देश्य)

- आदर्श को अपने जीवन मे उतारना
- बड़ी वस्तुओं को छोटे आकार में नमूना बनाना।

परिभाषाएं (Definitions)

1. H.C WYLD:- किसी आदर्श के अनुरुप व्यवहार को ढालने की प्रक्रिया को प्रतिमान कहा जाता है।
2. Coomb :- प्रतिमान दुनिया का एक प्रदर्शन है। दुनिया का एक model जो देखें गये आंकड़ों के परिणामों की तुलना करके परिक्षण किया जाता है।
3. Paul D. Eggen :- विशिष्ट अनुदेशानातमक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निर्मित उपचारात्मक शिक्षण व्यूह रचनायें ही प्रतिमान है।

शिक्षण के प्रतिमान की मुख्य 6 क्रियाएं

1. परिवर्तित व्यावहार या निष्पत्ति को व्यावहारिक रूप प्रदान करना।
2. सही उद्दीपनो का चयन करना।
3. परिस्थितियों का विशेषीकरण करना।
4. मानक व्यावहार या मूल्यांकन के मानदंड निर्धारित करना।
5. अंत: क्रिया विश्लेषण।
6. व्यवहार संसोधन।

शिक्षण प्रतिमान की अवधारणाए

- शिक्षण में छात्रों के रूचि का उपयोग करना।
- शिक्षण सामग्री द्वारा छात्रों में वांछित अनुभव प्रदान करना।
- अध्यापकों के वैयक्तिक मान्यताओं पर आधारित।
- समस्याओं के निराकरण पर आधारित।
- इसमें शिक्षक का व्यक्तित्व महत्तवपूर्ण होता है।
- ये सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।
- ये मानव योग्यताएं के विकास में सहायक होते है।
- शिक्षण प्रतिमान वास्तव में वातावरण उत्पन्न करने का माध्यम है जो सिखने के अनुभवों के लिए वास्तविक तथा व्यवहारिक रुप रेखा प्रदान करती है।

शिक्षण प्रतिमान के मुल्य तत्व (Elements of teaching models)

1. लक्ष्य या उद्देश्य:- शिक्षण का उदेश्य।
2. संरचना:- शिक्षण की समस्त क्रियाएं को व्यवस्थित करना।
3. सामाजिक प्रणाली:- शिक्षक और छात्र के बीच अंत: क्रिया करवाना।
4. सहायक प्रणाली:- उद्देश्य की प्राप्ति हुई या नहीं ये देखना।
5. मूल्यांकन प्रणाली:- उदेश्य प्राप्त हुआ या नहीं ये देखना, अगर नहीं तो क्यों।

शिक्षण प्रतिमानों के प्रकार (Types of teaching model)

1. एतिहासिक शिक्षण प्रतिमान

(A) सुकरात का शिक्षण प्रतिमान:- प्रश्नोतर विधि कि शुरुआत।

(B) परंपरागत मानवीय शिक्षण प्रतिमान:- प्रतिपादक- जेसूट(jesuit)

- इसमें शिक्षक को पाठ्य सामग्री तथा विधियों की व्यवस्था कर के शिक्षण कि प्रभावशाली प्रणाली विकसित करनी पड़ती है।
- इसमें शिक्षण के बाद समीक्षा का महत्व है।
- इसमें शिक्षक छात्र के सही अनुक्रिया का प्रशंसा करते है और गलत अनुक्रिया का निंदा।

(C) व्यक्तिगत विकास प्रतिमान:- कुम्बस और सिनेग द्वारा।

- शिक्षण के लिए व्यक्तिगत विकास को प्रधानता दी जाती है।
- शैक्षिक वातावरण ऐसा तैयार किया जाता है जिससे सीखने की क्षमता का विकास हो।

शिक्षण प्रतिमानों के प्रकार (Types of teaching model)

2. दार्शनिक शिक्षण प्रतिमान :- इज़रायल सैफलर द्वारा।(1964)

(A) प्रभाव शिक्षण प्रतिमान:- प्रभाव पर अधिक बल दिया जाता है।

(B)सूझ शिक्षण प्रतिमान:- प्रतिपादक- प्लेटो ।

- सीखने सिखाने की प्रक्रिया में छात्रों में सूझ का होना जरूरी है।

(C) नियम शिक्षण प्रतिमान:- प्रतिपादक- कांट

- इसमें तर्क शक्ति का होना महत्वपूर्ण है।
- इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों कि क्षमताओं का विकास करना है ।

शिक्षण प्रतिमानों के प्रकार (Types of teaching models)

3. मनोवैज्ञानिक शिक्षण प्रतिमान या आधारभूत शिक्षण प्रतिमान:-

(A) बुनियादी शिक्षण प्रतिमान:- रॉबर्ट ग्लेसर। (1962)

- शिक्षण वह विशेष क्रिया है जो अधिगम कि उपलब्धी पर केंद्रित होती है।
- कक्षा कक्ष में ऐसी क्रियाओं का अभ्यास कराया जाता है जिससे छात्रों का बौद्धिक एकीकरण और स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता पहचानी जाती है।
- इस प्रतिमान का आधार कक्षा कक्ष में छात्रों की क्रियाशीलता को माना गया है।

👉यह प्रतिमान शिक्षण प्रकिया को 4 भागों मे विभाजित करता है

1. अनुदेशातमक उदेश्य:- कक्षा में सूचना प्रदान करने का उद्देश्य क्या हो इसका निर्धारण करना।
2. प्रारंभिक व्यवहार :- कक्षा में छात्र कहाँ तक सक्रिय है इसकी रूपरेखा तैयार करना।
3. अनुदेशातमक प्रक्रिया :- छात्रों को सूचना किस माध्यम या प्रक्रिया से दी जाएगी ये तय करना।
4. निष्पादन मूल्यांकन :- मुल्यांकन करना।

शिक्षण प्रतिमानों के प्रकार
Types of teaching models

3. मनोवैज्ञानिक शिक्षण प्रतिमान

(B) कम्प्यूटर अधारित शिक्षण प्रतिमान:-

- प्रतिपादक- लॉरेंस स्टालरोव और डेनियल डेविस। (1965)
- इसमें शिक्षक का स्थान कम्प्यूटर ग्रहण कर लेता है। फिर वही निर्णय निश्चित कर लेता है और शिक्षण प्रदान करता है।
- इसमें शिक्षण प्रक्रिया को 2 स्तरों में विभाजित किया जाता है:-

(1)पूर्व शिक्षण काल :- विशेष छात्र के लिए विशेष कार्यक्रम का निर्माण किया जाता है।

(2)शिक्षण काल:- निश्चित कार्यक्रम संचालित किए जाते है।

- इस प्रतिमान में मुख्यतः 3 तत्व निहित होते है-

(1) विद्यार्थियों का पूर्व व्यवहार (2).अनुदेशन के उद्येश्यों का निर्धारण

(3) शिक्षण पक्ष।

शिक्षण प्रतिमानों के प्रकार
(Types of teaching models)

3. मनोवैज्ञानिक शिक्षण प्रतिमान :-

(C) विद्यालय अधिगम का शिक्षण प्रतिमान:- प्रतिपादक- जॉन कैरोल (1963)

- इसमें समय को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है।

(D) फ्लैण्डरस् का अन्तः क्रिया अधिगम शिक्षण प्रतिमान:-

- नैड ए. फ्लैण्डर (1960) ने अंतः क्रियाओं के आधार पर एक शिक्षण प्रतिमान दिया जिसे अंतः क्रिया प्रतिमान या सामाजिक अंतः प्रक्रिया प्रतिमान कहते है।
- यह छात्र और शिक्षक के बीच होने वाला एक विशेष सामाजिक वातावरण में होने वाला अंतः क्रिया है।
- इस प्रविधि कि सहायता से 3 सेकेंड अथवा इससे भी कम समय में होनेवाली घटना का क्रमबद्ध निरिक्षण किया जाता है।

शिक्षण प्रतिमान के प्रकार
Types of teaching models

(D) फ्लैण्डर का अंत: क्रिया शिक्षण प्रतिमान:-

- यह एक वस्तुनिष्ठ वैज्ञानिक निरीक्षण विधि है । इसके द्वारा कक्षा के व्यावहार को 2 भागों में बांटा गया है जिसे निम्न रूप से प्रदर्शित किया जा सकता है-

भाग-1	शाब्दिक सम्प्रेषण (Verbal Communication)	(A)शिक्षक (B) छात्र	स्वोप क्रम (Initiation) अनुक्रिया (response)
भाग-2	अशाब्दिक सम्प्रेषण (Non verbal communication)	(A)कार्यरत (B) कार्य के बाद	(A)शिक्षक द्वारा *छात्र द्वारा (B) बाधा का प्रभाव *बाधारहित

शिक्षण प्रतिमानों के प्रकार
Types of teaching models

(D). फ्लैण्डर के अंत: क्रिया का शिक्षण प्रतिमान:-

- पिछले slide के रेखाचित्र से सपष्ट होता है कि कक्षा मे शाब्दिक और अशाब्दिक दोनों व्यवहार होते है पर शाब्दिक व्यावहार की अधिकता रहती है।

अशाब्दिक व्यवहार:- शिक्षक और छात्र के बीच विचारों का आदान-प्रदान हाव- भाव से होता है।
जैसे- सिर हिलाना, क्रोध में देखना।

शाब्दिक व्यवहार:- इसमें शिक्षक और छात्र के बीच विचारों का आदान-प्रदान बोल कर होता है।

☞ शाब्दिक व्यवहार को 2 भागों में विभाजित किया गया है-

(A)अप्रत्यक्ष शाब्दिक व्यवहार- शिक्षक द्वारा छात्र की प्रसंसा की जाती है।

(B) प्रत्यक्ष शाब्दिक व्यवहार- जब शिक्षक छात्रों को बोलने का अवसर नहीं देते और अपना प्रभुत्व बनाए रखते है।

फ्लैण्डर के दस अंत: क्रिया प्रणाली
Flanders ten Interaction Analysis category System

1. भावनाओं को स्वीकार करना- छात्रों के भावनाओं और विचारों को स्वीकार करना और महत्व देना।
2. प्रसंशा एंव प्रोत्साहन- छात्र व्यवहार की प्रसंशा करना और प्रेरित करना।
3. स्वीकृति या छात्रों के विचारों का उपयोग- छात्रों के विचारों का स्पष्टीकरण करना और उनकी पुनः आवृति करना।
4. प्रश्न करना- पढाई गई विषय वस्तु से छात्रों से प्रश्न करना।
5. भाषण देना- शिक्षक अपने विचारों को रखते हुए पाठयक्रम की व्याख्यान करना।
6. निर्देश देना- छात्रों को आदेश तथा निर्देश देना।
7. आलोचना करना- छात्रों के अनुचित व्यवहारों को नियंत्रित करने हेतु आलोचना करना।
8. छात्र कथन अनुक्रिया- शिक्षक द्वारा दी गयी कार्य पर छात्र द्वारा प्रतिक्रिया देना।

फ्लैण्डर के दस अंत: क्रिया प्रणाली

9. छात्र कथन स्वोपक्रम- छात्र प्रश्न पूछकर जिज्ञासा शांत करते है।
10. मौन/भ्रम या ध्वनि- कक्षा मे कभी-कभी सभी छात्र और शिक्षक बोलते है कभी-कभी सभी शांत हो जाते है।

No. 1&2 – Indirect influence

No. 3 to 7 – Direct influence

No.8 to 10 – Initiation response

शिक्षण प्रतिमानों का प्रकार
Types of teaching models

4. अध्यापक शिक्षा शिक्षण प्रतिमान:-

प्रतिपादक- ई.ई. हेडन

- इन्होंने चार प्रतिमान दिए जो शिक्षक शिक्षा की समस्याओं का समाधान करने में सहायक होते है।

1. तबा शिक्षण प्रतिमान
2. टर्नर का शिक्षण प्रतिमान
3. शिक्षक अभिविन्यास शिक्षण प्रतिमान
4. फौक्स लिपिट शिक्षण प्रतिमान

शिक्षण प्रतिमान के प्रकार
Types of teaching models

4. अध्यापक शिक्षा शिक्षण प्रतिमान :-

(A) तबा शिक्षण प्रतिमान /आगातमक शिक्षण प्रतिमान:-

- प्रतिपादक- हिल्दा तबा
- इसका निर्माण अध्यापक शिक्षा के लिए हुआ है।
- यह सामाजिक विज्ञान विषयों के लिए महत्वपूर्ण होता है।

इस प्रतिमान के तीन शिक्षण व्यूह है—

(A)सम्प्रत्य का निर्माण करना

(B)आकडो का व्याख्या करना

(C) सिद्धांतों का उपयोग

शिक्षण प्रतिमानों के प्रकार
Types of teaching models

5. आधुनिक शिक्षण प्रतिमान :-

- प्रतिपादक- ब्रूसि जॉयस तथा मार्शवेल
- इन्होंने अपने पुस्तक model of teaching में प्रतिमान को चार भागों में बांटा-

(A) सामजिक अंत: क्रिया स्रोत

(B) सूचना प्रक्रिया

(C)व्यक्तिगत स्रोत

(D) व्यवहार परिवर्तन स्रोत

शिक्षण प्रतिमानों के प्रकार
Types of teaching models

4. आधुनिक शिक्षण प्रतिमान:-

(A)सामाजिक अंत: क्रिया स्रोत- इस प्रतिमान के अंतर्गत छात्रो को दूसरे छात्रों से अंत: क्रिया करने का अवसर दिया जाता है, जिससे उनमे सामाजिक कौशलो का विकास होता है।

(B)सूचना प्रकिया- इसमें व्यक्ति अपने वातावरण से प्राप्त सूचनाएं ग्रहण करके अपने mind में संगठित करता है, फिर इन सूचनाओं का mind में विश्लेषण होता है और विश्लेषण के समय जिन योग्यताओं की जरूरत होती है उन्हें संज्ञानात्मक प्रक्रिया कहते है। इन योग्यताओं के कारण ही बालक सूचनाओं से दूर जाकर अमूर्त और उपयोगी ज्ञान का सर्जन कर पाता है। यही प्रक्रिया सूचना प्रक्रम कहलाती है।

शिक्षण प्रतिमानों के प्रकार
Types of teaching models

4. आधुनिक शिक्षण प्रतिमान:-

(C) व्यक्तिगत स्रोत- इस का उद्देश्य व्यक्ति को उसकी क्षमताओं के अनुसार स्वयं का विकास करने में मदद करना है।

- इस प्रतिमान के द्वारा व्यक्ति के संवेगात्मक पक्ष पर अधिक बल दिया जाता है।

(D)व्यावहार परिवर्तन स्रोत- इस समूह में आने वाले सभी प्रतिमानों का मुख्य उदेश्य अधिगम कर्ता के दृश्य व्यवहारों में परिवर्तन लाना है ना कि अंतनिर्हित मनोवैज्ञानिक संरचनाओं एवं व्यवहारों में।

- ये प्रतिमान उद्दीपनो का नियंत्रण करके पुनर्वलको का प्रस्तुतिकरण करते है।

शिक्षण प्रतिमान की उपयोगिता
Uses of teaching models

1. शिक्षण प्रतिमान शिक्षण को प्रभावशाली बनाने में सहायक है।
2. शिक्षण प्रतिमान में इस तरह की शिक्षण नीतियाँ और युक्तियों का प्रयोग किया जाता है जो छात्रों के व्यावहार परिवर्तन में सहायक होते है।
3. शिक्षण प्रतिमान एक ऐसी संकल्पनात्मक रूप रेखा है जिसके आधार पर शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया को नियोजित किया जा सकता है।
4. इससे शिक्षण के विभिन्न स्तरों पर निर्णय लेने में सुविधा होती है।
5. शिक्षण प्रतिमान पाठ्यक्रमों के निर्माण में सहायक होते है।
6. शिक्षण प्रतिमानों के सहायता से कक्षा शिक्षण में सुधार लाया जाता है। इससे अध्ययन अध्यापन की प्रक्रिया पूर्ण व्यवस्थित तथा पूर्ण निर्धारित उद्येश्यों के अनुसार चलती है।

PPT TRHROUGH GOOGLE MEET

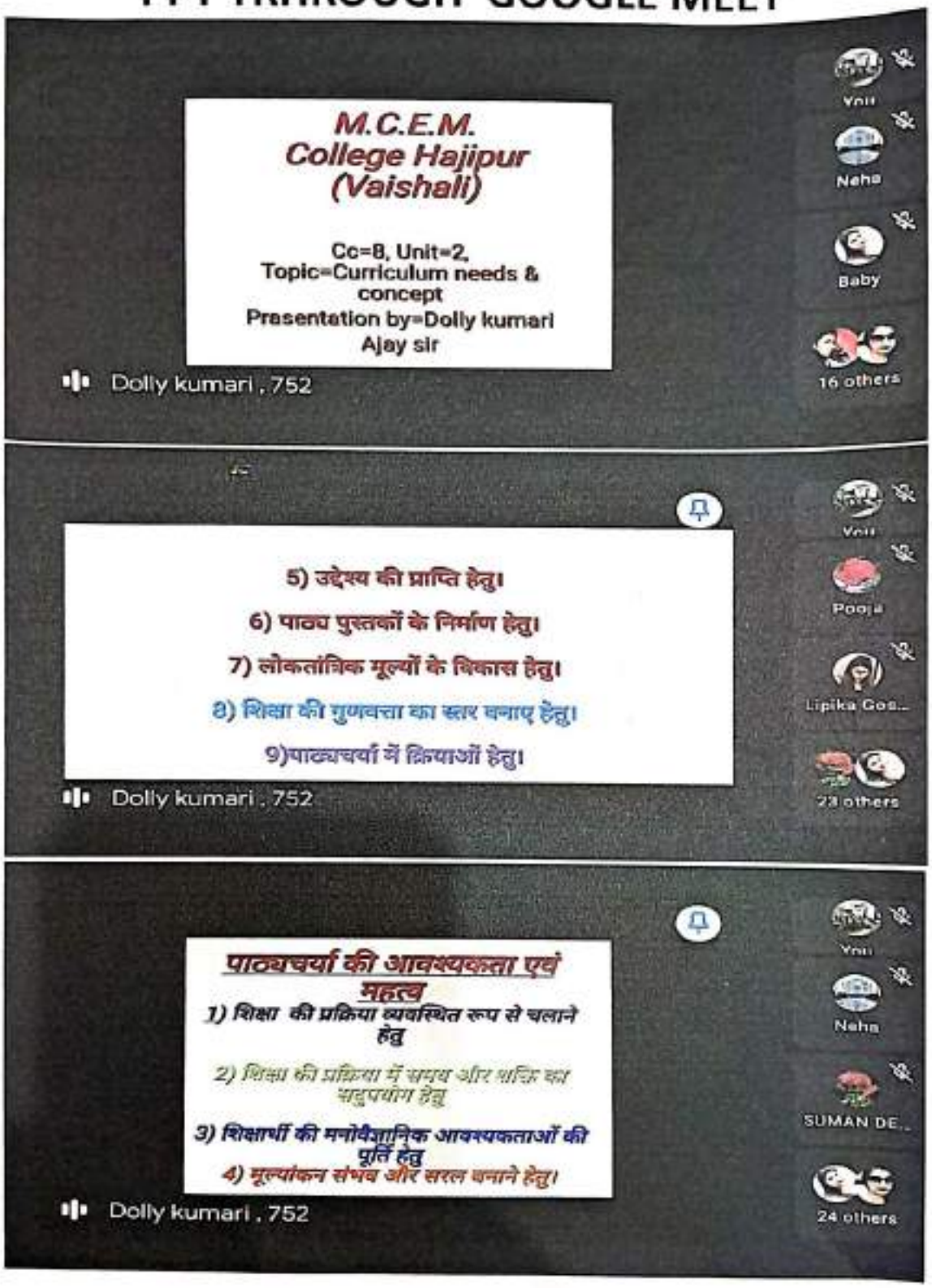

PPT TRHROUGH GOOGLE MEET

PPT ONLINE CLASS

PPT ONLINE CLASS

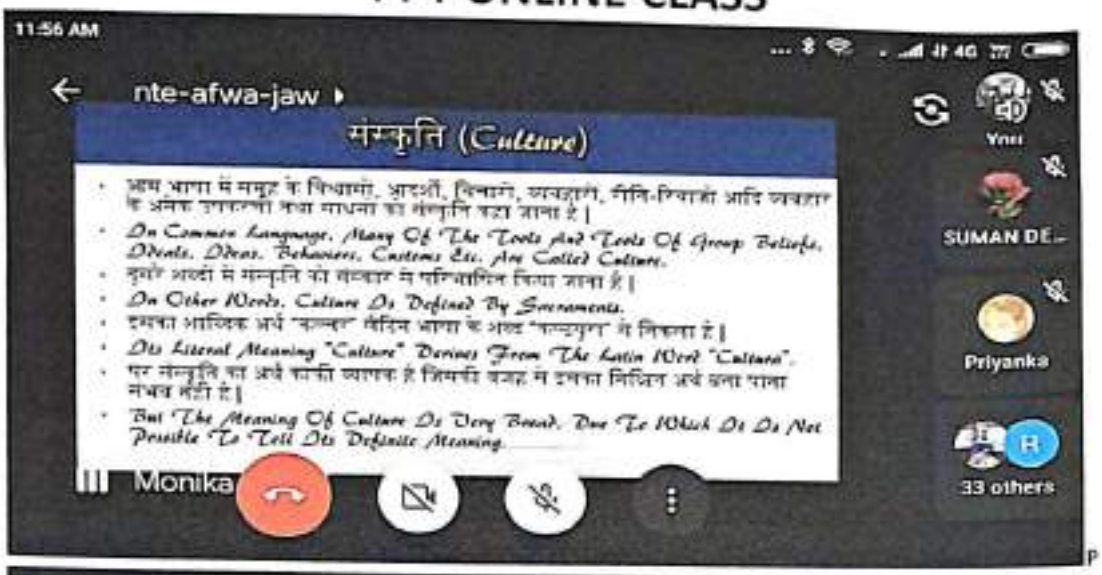

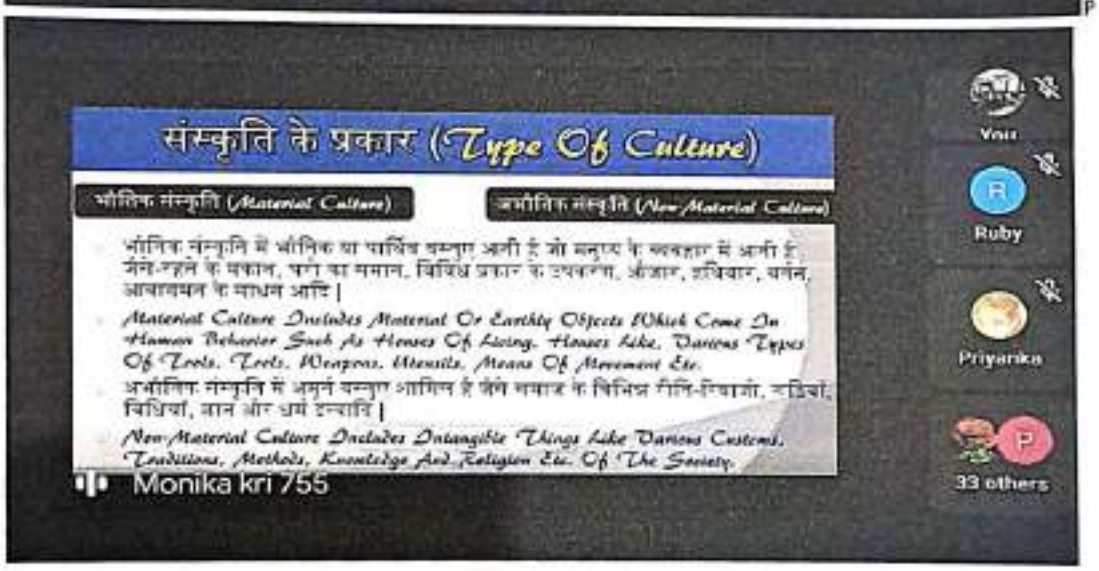

CONCEPT MAPPING GOOGLE MEET/ONLINE TEACHING

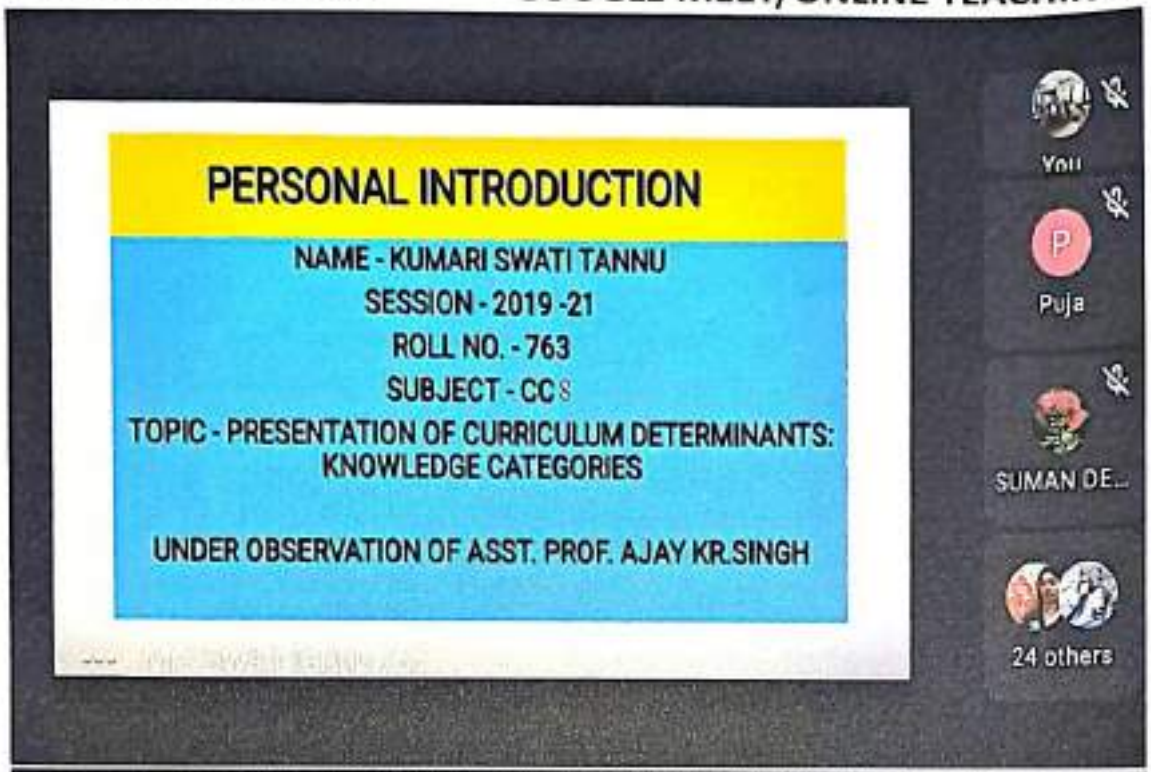

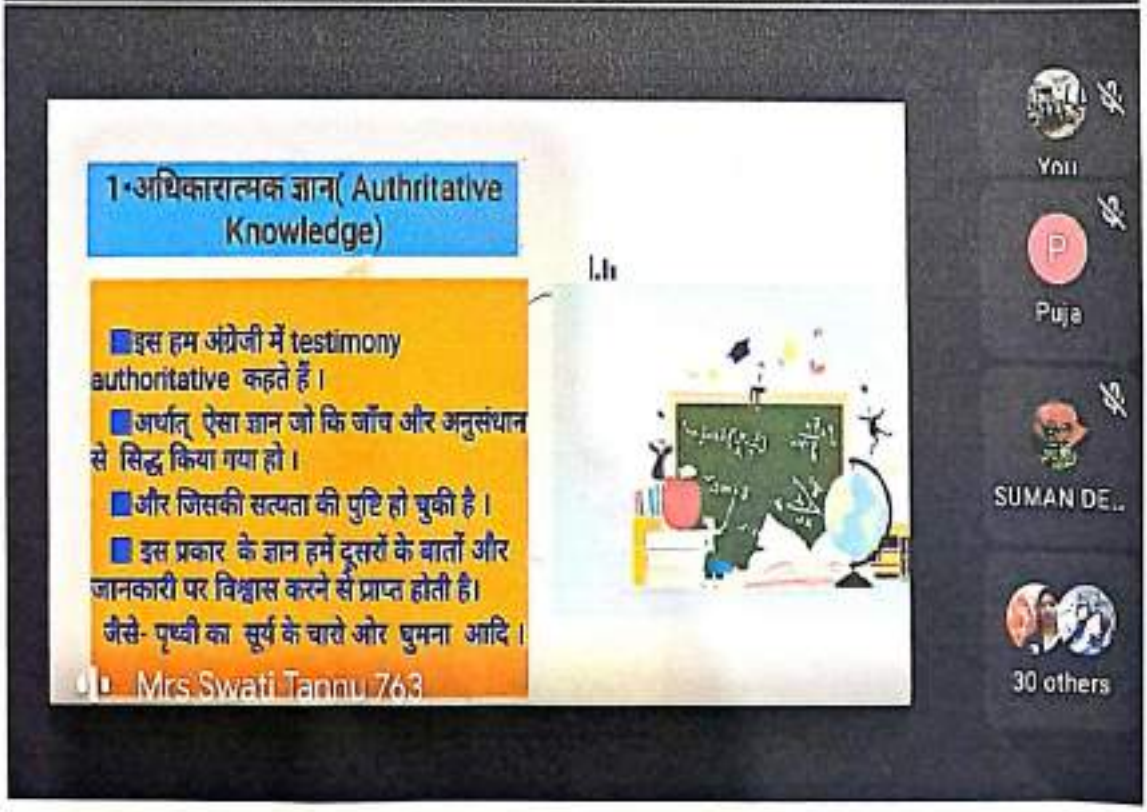

CONCEPT MAPPING GOOGLE MEET/ONLINE TEACHING

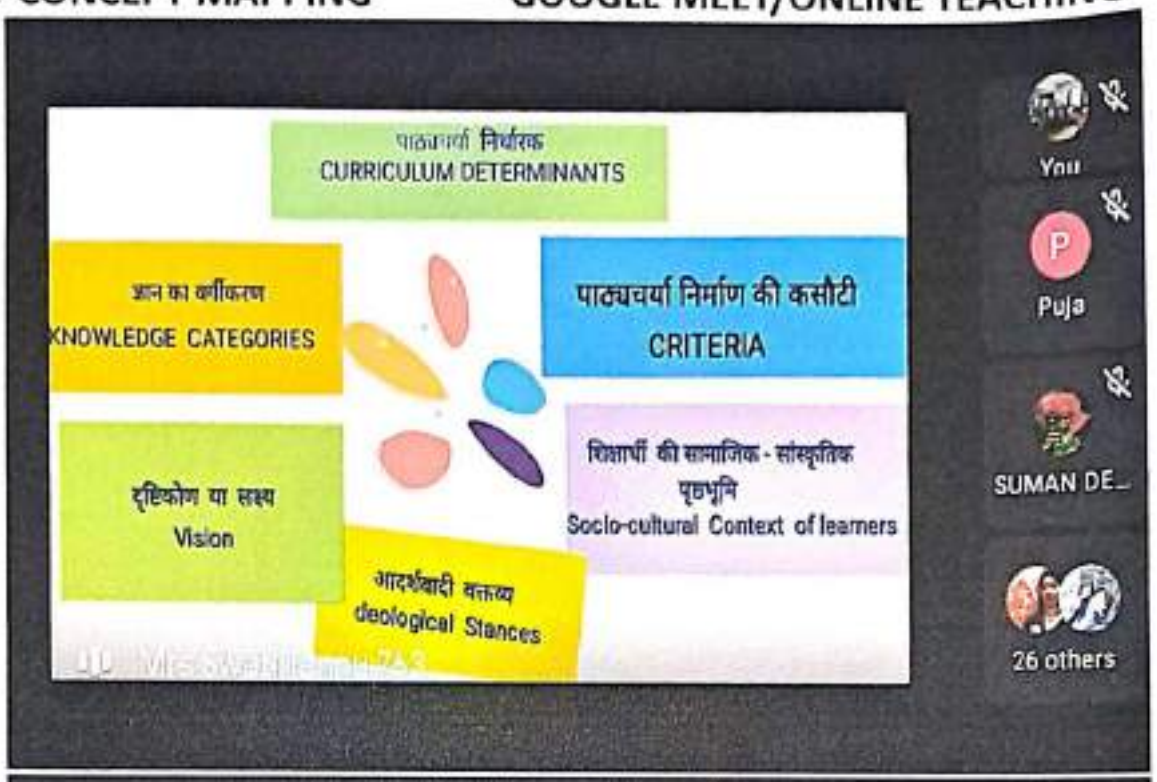

CONCEPT MAPPING GOOGLE MEET/ONLINE TEACHING

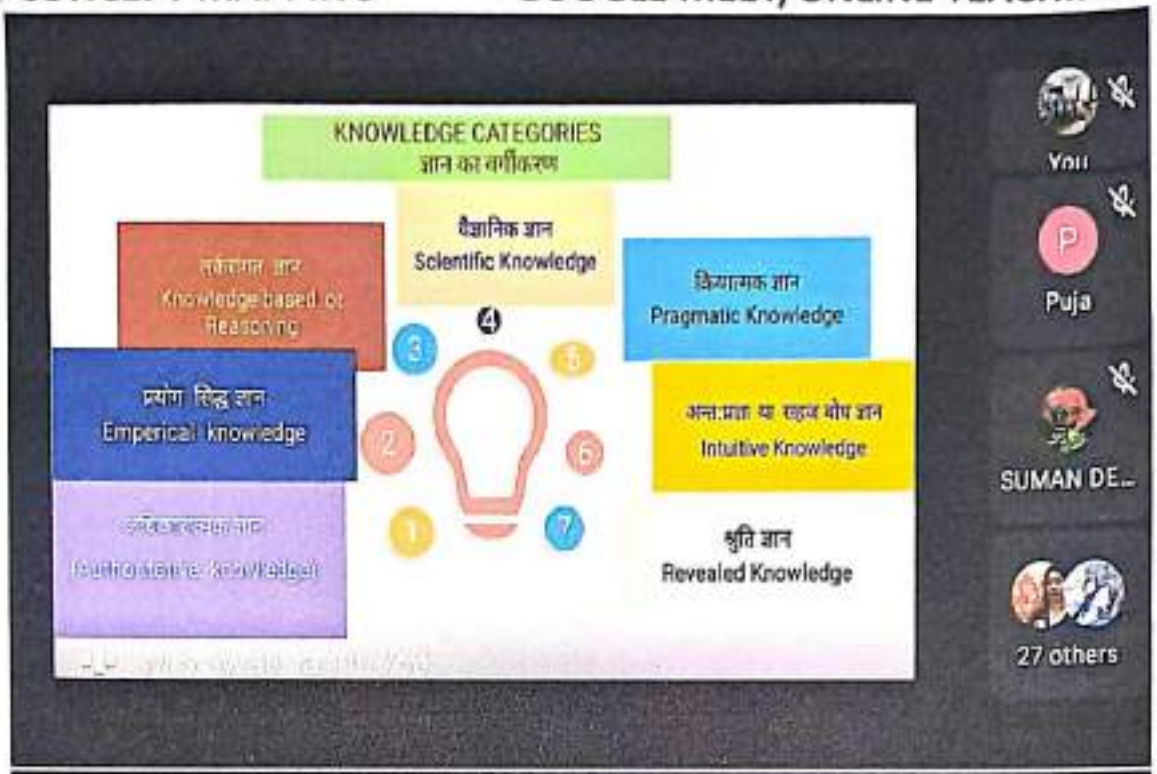

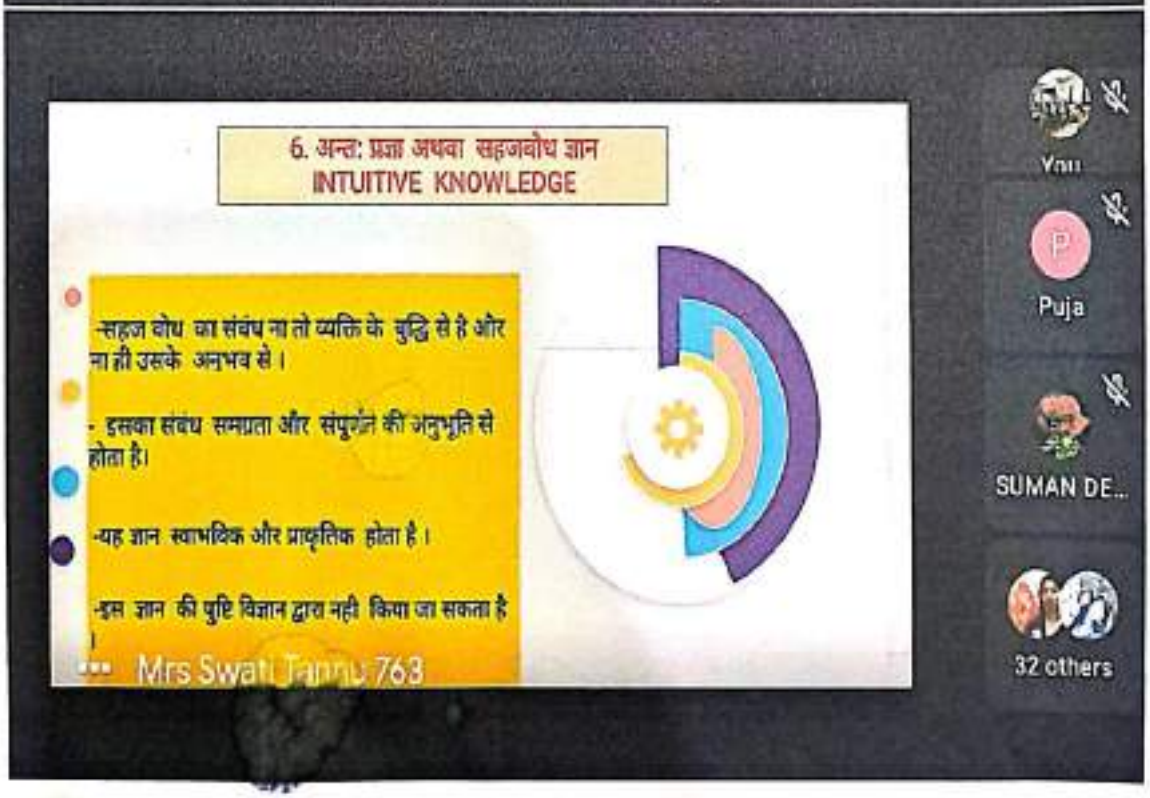

आज TLM मेला का अनुभव

सहयोगी उच्च विद्यालय में TLM मेला आयोजित किया गया इस मेले में रा० म० वि० जदुआ ने अपनी भूमिका प्रदर्शित करने के लिए प्रमाण के तौर पर सभी शिक्षिका एवं शिक्षक ने एक सामूहिक फोटो खिंचवाए।

TLM मेला में प्रदर्शित किया गया पर्यावरणी फूल-दान की चित्र।

TLM मेला में पानी में तैरते हुए बत्तख का चित्र प्रदर्शित किया गया जिसमें जल और बत्तख को एक साथ दिखाया गया है।

6वी कक्षा के रोसनी खातुन द्वारा TLM मेला प्रदर्शन करने के लिए एक घर की नक्काशी बनायी गई जो थर्मोकोल से और सिगरा से बनाया गया था।

विज्ञान दिवस आज का अनुभव 28 फरवरी 2023

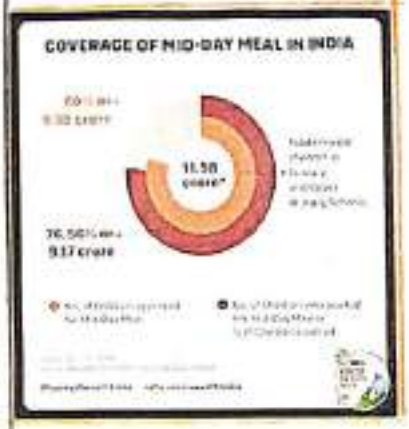

विद्यालय की मध्याह्न भोजन कार्यक्रम

चेतना सत्र :-

आज 8वी कक्षा के छात्र छात्रा परीक्षा उत्तीर्ण

प्रमाण पत्र प्राप्त किये

activities in

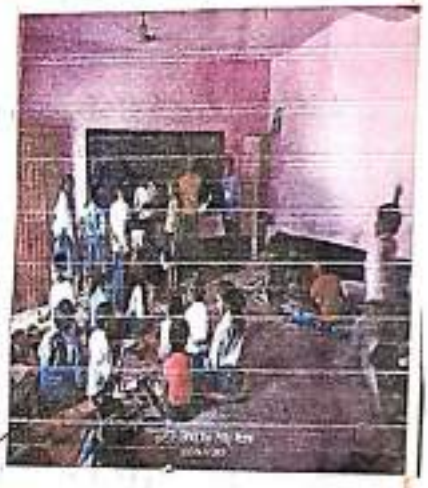

आज दिनांक 15/4/2023 दिन शनिवार को हमने अपने विद्यालय में 6:30AM पर उपस्थित रहा।

आज शनिवार को विद्यालय में सुरक्षित शनिवार के रूप में मनाई गई, तथा आज के दिन को "बैगलेस डे" रूप में समझते हैं।

आज शनिवार को चेतना सत्र में कुछ अधिक समय तक P.T कराया गई

आज विद्यालय में कुछ छात्र-छात्रा को पुस्तक वितरण की गई जिसमें मुख्य रूप से 6वी तथा 7वी कक्षा के विद्यार्थी थे।

आज हमने अपना कुछ समय विद्यालय के कार्यलय में बैठा जहाँ पर हमने कुछ रजिस्टर को देखा

आज हमने अपने सभी प्रशिक्षु साथी के साथ, विद्यालय में कक्षा शिक्षण के लिए रुटिंग तैयार किया।

हमने आज डायट कॉलेज के कुछ प्रशिक्षु के साथ बाते की

अपने प्रशिक्षु साथीयों के साथ 8वी कक्षा के विद्यार्थियों को अन्ताक्षरी खेलायी गई। इस तरह से मेरा आज का अनुभव बहुत ही अच्छा रहा।

17/04/2023

शिक्षण कार्य करेत प्रशिक्षु साथी

दिनांक – 25/04/25

आज का अनुभव

आज चेतना - सत्र के दौरान बच्चों ने सुविचार, दोहे, कविताएँ आदि प्रस्तुत कर मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं कक्षा - शिक्षण अवलोकन का अनुभव भी काफी प्रेरक एवं सिखाने वाला रहा। आज विद्यालय में हमारे दो प्राध्यापकगण एक साथ पधार हमारी कापी चेक एवं उचित निर्देशन से हमें अनुग्रहित किया।

प्रस्तुति देते विद्यार्थीगण (प्रस्तावना - पाठ)

निरीक्षण करते हमारे प्राध्यापक अश्विनी सर एवं उनके साथ साथी प्रशिक्षुगण

दिनांक - 26/04/2

आज का अनुभव

आज मौसम काफी अच्छा होने की वजह से सभी ने पूरे जोश एवं ताजगी के साथ चेतना-सत्र में भाग लिया। बच्चे काफी खुश लग रहे थें। आज पुस्तक वितरण होने की खबर से वे उत्साहित थें। आज कक्षा-शिक्षण अवलोकन भी प्रेरक रहा। तत्पश्चात् हमारे शिक्षकगण ने हमारी कॉपियाँ चेक कर हमें उचित निर्देश दिये।

छुट्टी के बाद बच्चों को पुस्तक वितरण किया गया, जो खुशी उनके चेहरे पर दिखी वो हृदय को आनंदित कर गया।

बच्चों को पुस्तक-वितरण करती विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती संगीता कुमारी।

वितरण-सूची बनाते शिक्षकगण एवं प्राचार्या

आज का अनुभव

दिनांक- 27/04/23

आज चेतना सत्र के पश्चात मैंने बच्चों को लू से बचने के उपाय बताएँ, कारण कि मुझे चिलचिलाती धूप में बच्चों का पेड़ पर चढ़ आम तोड़ना देख अच्छा नहीं लगा।

आज ही हमारे प्राध्यापक अबोध चन्द्र महतो द्वारा हमारी कॉपियाँ चेक की गई एवं सर द्वारा उचित निर्देश भी दिए। वहीं आज मेरी उपस्थिति शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी में एक अभिभावक के रूप में रही। जिससे मुझे काफी असंतोष की प्राप्ति हुई।

बच्चों को लू से बचने के उपाय बताती प्रशिक्षु साक्षी गोस्वामी (मैं)

प्रशिक्षुओं की डायरी चेक करते प्राध्यापक अबोध चन्द्र महतो एवं प्राध्यापिका निक्की कुमारी।

दिनांक - 29/09/23

आज का अनुभव

आज 'नो बैग डे' के तहत विद्यालय में चेतना सत्र के साथ दिन की शुरुवात हुई। बच्चों द्वारा विभिन्न एवं रोचक प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। कक्षा में भी बच्चों ने एक से बढ़कर एक ड्राइंग बना एवं कुछेक ने पेपर क्राफ्ट का कमाल दिखा अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

आज का अनुभव

आज का दिन मेरे लिए थोड़ा संघर्षमय रहा। मेरी तबीयत खराब होने के कारण मैं आज विद्यालय की गतिविधियों में भाग तो ले पाई, किंतु नाम मात्र का। खैर इन सब के बावजूद चेतना-सत्र के दौरान बच्चों की प्रस्तुतियाँ देखकर मन काफी हल्का एवं प्रसन्न हुआ। साथ ही वर्ग 10 के कुछ छात्रों द्वारा व्यायाम के कुछ नए स्टेप्स सिखाए गए जो कि मेरे लिए भी मेरे अनुभव में शामिल करने योग्य रहा।

चेतना-सत्र के दौरान बच्चों द्वारा सिखाया जा रहा व्यायाम एवं पीन्टी

आज का अनुभव

06/05/23

आज चेतना - सत्र की गतिविधियों में शामिल होना काफी हर्षदायी रहा। बच्चें अपनी विभिन्न प्रस्तुतियों द्वारा हमारा मन मोह रहे थें।

आज कक्षा- शिक्षण अवलोकन का अनुभव भी काफी अच्छा रहा। मुझे काफी कुछ नया सीखने को मिला।

तत्पश्चात मध्याह्न भोजन का आनंद लिया एवं बच्चों को स्वास्थ्य- संबंधी उचित जानकारियों को साझा किया। बच्चों के साथ एक स्थान पर बैठकर साथ खाने का अनुभव काफी आनंदमय एवं संतोषपूर्ण रहा।

मध्याह्न भोजन का आनंद लेते विद्यार्थीगण (छोटे बच्चे)

INTERNSHIP PROGRAMME

स्कूल इंटर्नशीप प्रोग्राम के अन्तर्गत प्रशिक्षुओं द्वारा किये जाने वाले कार्य एवं प्रत्येक कार्य के आकलन हेतु निर्धारित अंकों का विवरण–

	कुल चार माह : पाँच घंटे प्रतिदिन	
कार्य	विवरण	आकलन हेतु निर्धारित अंक
01	स्कूल डायरी	10
02	कक्षा अवलोकन (सहपाठी अवलोकन)	15
03	विद्यालय अवलोकन (विद्यालय प्रबंधन या विद्यालय प्रबंध समिति सदस्यों से बात–चीत इत्यादि)	15
04	शिक्षार्थी–प्रशिक्षु संवाद	10
05	वृत्तिगत आचार–विचार	10
06	प्रायोजना कार्य और क्रियात्मक–शोध	40 (20 + 20)
07	शिक्षण–अभ्यास (Learning Plan)	50
	बाह्य आकलन (प्रायोगिक परीक्षा)	50
	कुल	200

NCTE द्वारा निर्धारित स्कूल स्थानबद्ध इनटर्नशिप कार्यक्रम के लिए दिशा निर्देश:-

- इनटर्नशिप कार्यक्रम का उद्देश्य व्यावसायिक क्षमता में वृद्धि, अध्यापकीय प्रभावशीलता और कौशलों में वृद्धि है।
- B.Ed. पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के प्रशिक्षुओं को सक्रिय रूप से शिक्षण में प्रवृत्त किया जाएगा। उन्हें उच्च प्राथमिक कक्षा (6 से 8) तथा माध्यमिक कक्षा (9 से 10) अथवा उच्च माध्यमिक कक्षा (11 से 12) जिसमें कम से कम 16 सप्ताह माध्यमिक/उच्च माध्यमिक कक्षाओं के लिए होंगे।
- इसमें शिक्षण अभ्यास के अतिरिक्त एक सप्ताह की प्रारंभिक प्रावस्था होगी जिस अवधि में प्रशिक्षु सामान्य कक्षा के नियमित अध्यापक के अध्यापन का प्रेक्षण करेंगे। इसके अतिरिक्त अभ्यास पाठों का समकक्ष (peer observation) प्रेक्षण भी करेंगे।
- विद्यालय स्थानबद्ध प्रशिक्षण के लिए अध्यापक शिक्षा संस्थानों तथा सम्बद्ध विद्यालयों द्वारा प्रशिक्षुओं को परामर्श देने, उनका पर्यवेक्षण करने, उन पर दृष्टि रखने और उनका आंकलन करने के लिए एक परस्पर सम्मत प्रक्रिया स्थापित की जाएगी।

प्रशिक्षु–विद्यार्थी संवाद

- स्कूल के प्रत्येक बच्चे की व्यक्तिगत विभिन्नता को देखते हुए यह आवश्यक है कि प्रशिक्षु–शिक्षक इन विभिन्नताओं का पता लगाये एवं उन्हें स्वयं को समझने में मदद करें। इस कार्य हेतु प्रशिक्षु–शिक्षक प्रतिदिन एक शिक्षार्थी से सौहार्द्रपूर्ण ढंग से उसकी रुचि, जिज्ञासा, आदत, परिवार, उसका स्कूल, उसकी मित्र मंडली, पसंद–नापसंद इत्यादि पर बातचीत करेगा, आवश्यक सलाह देगा, प्रगति का निरीक्षण करेगा।

मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

SCHOOL CONTACT PROGRAMME (विद्यालय संपर्क कार्यक्रम)

बी.एड. के दो वर्षीय नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार प्रथम वर्ष में विद्यालय संपर्क कार्यक्रम को शामिल किया गया है। चार सप्ताह के इस संपर्क कार्यक्रम का आशय समग्रता में विद्यालय को समझ विकसित करना तथा विद्यालयी जीवन को आत्मसात करना है। अवलोकन एवं अनुभव इस कार्यक्रम की प्रथम एवं आखिरी मांग है। अतः आप अपने चार सप्ताह के इस कार्यक्रम में यह कोशिश करेंगे कि विद्यालय व उसके परिवेश के बारे में जानें, ताकि शिक्षार्थी शिक्षक, समुदाय, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक एवं सह–शैक्षिक गतिविधियां आप के लिए अबूझ पहेली ना रहें।

इस कार्यक्रम में निम्न सारणी के अनुसार आप अपने अनुभवों का दस्तावेजीकरण करेंगे। आपका यह दस्तावेज मूल्यांकन का एक आधार होगा। विद्यालय संपर्क कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षुओं द्वारा किये जाने वाले कार्य एवं प्रत्येक कार्य के आकलन हेतु निर्धारित अंकों का विवरण निम्न सारणी में वर्णित है :–

	एक माह (चार सप्ताह) : पाँच घंटे प्रतिदिन	
कार्य	विवरण (Description)	आकलन हेतु निर्धारित अंक
01	स्कूल डायरी (School Diary)	05
02	कक्षा अवलोकन (शिक्षक–शिक्षण अवलोकन) (Classroom Observation)	10
03	विद्यालय अवलोकन (विद्यालय प्रबंधन या विद्यालय प्रबंध समिति सदस्यों से बात–चीत इत्यादि) (School Observation, Interaction with SMC)	10
04	शिक्षार्थी–प्रशिक्षु संवाद (School-Trainee Dialog)	10
05	व्यक्ति अध्ययन (Case Study)	05
06	सीखने की योजना (Learning Plan)	10
	कुल	50

स्कूल डायरी

प्रशिक्षु–शिक्षक, स्कूल, डायरी में प्रतिदिन के अपने स्कूल के अनुभवों को लिखेंगे। विद्यालय की सम्पूर्ण व्यवस्था में उसके अध्यापक, शिक्षार्थी, विद्यालय से जुड़े लोग, सुविधाएँ, वातावरण इत्यादि का विवरण लिखा जायेगा। विद्यालय में आपकी उपस्थिति में घटित सम्पूर्ण घटनाओं जैसे– चेतना सत्र, कक्षा–शिक्षण एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को विस्तृत रूप से लिखा जायेगा। आपकी अपनी राय एवं प्रतिदिन की समीक्षा भी लिखी जायेगी। साथी प्रशिक्षुओं से प्रतिदिन की घटनाओं पर विमर्श भी किया जायेगा।

स्कूल डायरी प्रशिक्षु को शिक्षार्थी प्रेमी, मननशील, प्रयोगधर्मी, सूक्ष्म अवलोकनकर्ता एवं अच्छे आयोजक तथा प्रबन्धक बनने में मदद करेगी। समाज एवं उसकी जरूरतों को देखने–समझने एवं चिंतन करने में मदद करेगी।

कक्षा अवलोकन (Class Observatin)

प्रशिक्षु विद्यालय के नियमित शिक्षकों द्वारा पढ़ायी जा रही कक्षा–कक्षा का नियमित अवलोकन करेंगे। जिससे कक्षा–शिक्षण का सजीव अनुभव व्यक्तिगत रूप से प्राप्त हो सके। कक्षा–कक्षा अवलोकन का आधार अवलोकन प्रपत्र होगा। जिसपर वे प्रतिदिन के कक्षा अवलोकन का विवरण दर्ज करेंगे।

मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

SCHOOL CONTACT PROGRAMME (विद्यालय संपर्क कार्यक्रम)

बी.एड. के दो वर्षीय नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार प्रथम वर्ष में विद्यालय संपर्क कार्यक्रम को शामिल किया गया है। चार सप्ताह के इस संपर्क कार्यक्रम का आशय समग्रता में विद्यालय की समझ विकसित करना तथा विद्यालयी जीवन को आत्मसात करना है। अवलोकन एवं अनुभव इस कार्यक्रम की प्रथम एवं आखिरी मांग है। अतः आप अपने चार सप्ताह के इस कार्यक्रम में यह कोशिश करेंगे कि विद्यालय व उसके परिवेश के बारे में जानें, ताकि शिक्षार्थी शिक्षक, समुदाय, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक एवं सह–शैक्षिक गतिविधियां आप के लिए अबूझ पहेली ना रहें।

इस कार्यक्रम में निम्न सारणी के अनुसार आप अपने अनुभवों का दस्तावेजीकरण करेंगे। आपका यह दस्तावेज मूल्यांकन का एक आधार होगा। विद्यालय संपर्क कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षुओं द्वारा किये जाने वाले कार्य एवं प्रत्येक कार्य के आकलन हेतु निर्धारित अंकों का विवरण निम्न सारणी में वर्णित है :–

	एक माह (चार सप्ताह) : पाँच घंटे प्रतिदिन	
कार्य	विवरण (Description)	आकलन हेतु निर्धारित अंक
01	स्कूल डायरी (School Diary)	05
02	कक्षा अवलोकन (शिक्षक–शिक्षण अवलोकन) (Classroom Observation)	10
03	विद्यालय अवलोकन (विद्यालय प्रबंधन या विद्यालय प्रबंध समिति सदस्यों से बात–चीत इत्यादि) (School Observation, Interaction with SMC)	10
04	शिक्षार्थी–प्रशिक्षु संवाद (School-Trainee Dialog)	10
05	व्यक्ति अध्ययन (Case Study)	05
06	सीखने की योजना (Learning Plan)	10
	कुल	50

स्कूल डायरी

प्रशिक्षु–शिक्षक, स्कूल, डायरी में प्रतिदिन के अपने स्कूल के अनुभवों को लिखेंगे। विद्यालय की सम्पूर्ण व्यवस्था में उसके अध्यापक, शिक्षार्थी, विद्यालय से जुड़े लोग, सुविधाएँ, वातावरण इत्यादि का विवरण लिखा जायेगा। विद्यालय में आपकी उपस्थिति में घटित सम्पूर्ण घटनाओं जैसे– चेतना सत्र, कक्षा–शिक्षण एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को विस्तृत रूप से लिखा जायेगा। आपकी अपनी राय एवं प्रतिदिन की समीक्षा भी लिखी जायेगी। साथी प्रशिक्षुओं से प्रतिदिन की घटनाओं पर विमर्श भी किया जायेगा।

स्कूल डायरी प्रशिक्षु को शिक्षार्थी प्रेमी, मननशील, प्रयोगधर्मी, सूक्ष्म अवलोकनकर्त्ता एवं अच्छे आयोजक तथा प्रबन्धक बनने में मदद करेगी। समाज एवं उसकी जरूरतों को देखने–समझने एवं चिंतन करने में मदद करेगी।

कक्षा अवलोकन (Class Observatin)

प्रशिक्षु विद्यालय के नियमित शिक्षकों द्वारा पढायी जा रही कक्षा–कक्षा का नियमित अवलोकन करेंगे। जिससे कक्षा–शिक्षण का सजीव अनुभव व्यक्तिगत रूप से प्राप्त हो सके। कक्षा–कक्ष अवलोकन का आधार अवलोकन प्रपत्र होगा। जिसपर वे प्रतिदिन के कक्षा अवलोकन का विवरण दर्ज करेंगे।

MCEM विद्यालय परिचय (प्रथम दिवस)

(Under School Contact Programme)

विद्यालय का नाम : उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सुल्तानपुर

अनुमंडल तिरहुत प्रखण्ड हाजीपुर संकुल जेहुई ग्राम सभा सुल्तानपुर

स्थापना वर्ष : .... बालक या बालिका विद्यालय : दोनों

अध्ययन–अध्यापन की सुविधा : पहली कक्षा से 8 वीं कक्षा तक।

हेड मास्टर/ प्रधानाध्यापक के नाम : प्रभारी प्रधानाध्यापिका श्रीमती संगीता देवी

कार्यरत शिक्षकों की कुल संख्या : 7 प्रशिक्षित 7 अप्रशिक्षित 0

महिला 7

पुरुष

कुल कर्मचारी : 11

पुस्तकालय की सुविधा : है प्रयोगशाला : है

कुल शिक्षार्थी : ...... कुल छात्र ...... कुल छात्राएँ, एससी : कुल छात्र ...... कुल छात्राएँ : ......

एसटी : कुल छात्र ...... कुल छात्राएँ : ......, बीपीएल : कुल छात्र ...... कुल छात्राएँ : ......

छात्रवृत्ति वितरण की स्थिति : ठीक है।

पोशाक वितरण : है

मिड डे मील की व्यवस्था : है/नहीं है/ कब से बंद है : है

विद्यालय समिति के कुल सदस्य : 3

विद्यालय में कुल कमरों की संख्या : 10

विद्यालय में बाल संसद : है/नहीं है

विद्यालय में मीना मंच : है/नहीं है

फर्नीचर एवं अन्य उपस्कर : है

शौचालय (महिला एवं पुरुष) : है स्वच्छ पेय जल की सुविधा : है

मेडिकल सुविधा : उपलब्ध है

खेल का मैदान : है

बागवानी : है

विद्यालयी पंजी :(1) उपस्थिति पंजी (2) नामांकन पंजी (3) सूचना पंजी (4) निरीक्षण पंजी

साक्षी गोस्वामी

प्रशिक्षु के हस्ताक्षर

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

दिनांक - 13/04/23

आज का अनुभव

आज हमारे स्कूल संपर्क कार्यक्रम के लिए आवंटित विद्यालय में हमारा पहला दिन कई नवीन अनुभवों से भरा रहा। 7:30 बजे सुबह, प्राधानाध्यापिका महोदया के आगमन के साथ ही चेतना-शाला प्रारंभ हुआ जिसमें मैंने कुछ नये व्यायामों को सीखा एवं अंत में सभी नये प्रशिक्षुओं ने एक-एक कर अपना परिचय तथा सुविचार सबके समक्ष प्रस्तुत किया।

चूँकि आज प्रथम दिवस केवल विद्यालय अवलोकन निर्देशित था अतः पूरे विद्यालय का भ्रमण कर हमने जानकारियाँ इकट्ठी कर उसे डायरी में नोट किया।

किसी सरकारी विद्यालय में आने का मेरा यह पहला अनुभव अनूठा रहा। जहाँ कहीं मैंने अब तक पढ़े कई बाल-विकास योजनाओं को धराशायी होते तो कहीं उन्हें सुदृढ़ आकार लेते देखा। मैंने महसूस किया कि बच्चे सीखने को उत्सुक एवं जिज्ञासु हैं, आवश्यकता है तो उचित मार्गदर्शन की।

धन्यवाद !!

MCEM विद्यालय संपर्क कार्यक्रम
(School Contact Programme)

निर्देश– प्रशिक्षु निम्नवत बिन्दुओं से संबंधित सूचनाओं को भी अपने प्रतिदिन के डायरी कार्य में शामिल करेंगे–

अवलोकित विद्यालय का नाम : उत्क्रमित मध्य वि., सुल्तानपुर प्रशिक्षु का नाम : साक्षी गोस्वामी
शिक्षण विषय : हिन्दी

विद्यालय में उपस्थित रहा : 6:30 बजे से 10:30 तक तिथि : 13/04/23

विद्यालय की जिन गतिविधियों में भाग लिया :– चेतना सत्र (✓) कक्षा शिक्षण ( ) मध्याह्न भोजन (✓) पुस्तकालय ( ) प्रयोगशाला ( ) सांस्कृतिक कार्यक्रम ( ) कक्षा शिक्षण अवलोकन (✓) खेल–कूद (✓) अन्य कोई गति विधि

आज आपने किन–किन गतिविधियों में भाग लिया और क्या– क्या किया : आज मैंने चेतना-सत्र, में भाग लिया एवं कुछ नये व्यायामों एवं आसनों को सीखा तथा काव्य-पाठ भी किया।

क्या आपने किसी गतिविधि का आयोजन किया? गतिविधि बतायें?
नहीं। क्योंकि आज एस.सी.पी. के प्रथम दिन केवल विद्यालय-अवलोकन करने का निर्देश मिला था।

आज सबसे अच्छा क्या लगा : बच्चों द्वारा बड़ी कुशलता एवं हाव-भाव के शुद्ध उच्चारण के साथ प्रस्तावना-पाठ प्रशंसनीय था।

आज क्या अच्छा नहीं लगा : विद्यालय का समग्र-प्रबंधन एवं शिक्षकों-विद्यार्थियों के बीच आपसी तालमेल का अभाव।

आपके अनुसार आज क्या होना चाहिए था : शिक्षकों को समय पर आना चाहिए था

आज आपने किन–किन लोगों से बात की : आज मैंने विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक/शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षुओं से बात की।

आज जो आपने सीखा : बच्चे खुद ज्ञान के सृजनकर्ता हैं, यह अनुभव किया

यदि आज आपको आपके द्वारा पर्यवेक्षित कक्षा को पढ़ाने को कहा जाता तो आप उस विषय को अलग ढंग से कैसे पढ़ाते? विषय-वस्तु को दैनिक जीवन से जोड़कर समझाती ताकि वे सुगमता से इसे ग्रहण कर पाते।

कोई ऐसी बात जो आप बताना चाहते हैं : विद्यालय सड़क से सटे होने के कारण लगातार वाहनों के आवागमन से उत्पन्न ध्वनियाँ शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को बाधित करती है।

प्रशिक्षु के हस्ताक्षर

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

दिनांक – 25/04/2

आज का अनुभव

आज चेतना - सत्र के दौरान बच्चों ने सुविचार, दोहे, कविताएँ आदि प्रस्तुत कर मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं कक्षा - शिक्षण अवलोकन का अनुभव भी काफी प्रेरक एवं सिखाने वाला रहा। आज विद्यालय में हमारे दो प्राध्यापकगण एक साथ पधारे हमारी कॉपी चेक एवं उचित निर्देशन से हमें अनुग्रहित किया।

प्रस्तुति देते विद्यार्थीगण (प्रस्तावना-पाठ)

निरीक्षण करते हमारे प्राध्यापक अश्विनी सर एवं उनके साथ साथी प्रशिक्षुगण

MCEM

कक्षा अवलोकन अनुसूची (Class Room Observation Schedule)

Under School Contact Programme

शिक्षक : रतन प्रिया

विद्यालय का नाम : उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सुल्तानपुर

वर्ग (Class): VIII दिनांक (Date): 13/04/23 कालांश (Period): प्रथम अवधि (Duration): 40 मिनट

विषय (Subject): विज्ञान अध्याय: प्रथम प्रकरण (Topic): दहन और ज्वाला

शिक्षण कौशल निर्धारण मापनी (Teaching Skills Rating Scale)

कौशल	व्यवहार कथन	Excellent (A)	V. Good (B)	Good (C)	Average (D)	Weak (E)
(A) प्रस्तावना	1. कक्षा से संबंध स्थापित करना					
	2. पाठ में रुचि पैदा करना			✓		
	3. पूर्व ज्ञान से जोड़नेवाला			✓		
	4. छात्रों को अभिप्रेरित करनेवाला				✓	
	5. पूछे गए प्रश्न और उनका स्तर			✓		
	6. विषय का अन्य विषयों से संबंध			✓		
(B) उद्देश्य कथन	उद्देश्य कथन की स्पष्टता				✓	
(C) प्रस्तुतीकरण	1. पाठ्यवस्तु की निर्धारित समयानुकूलता				✓	
	2. पाठ्यवस्तु के स्पष्टीकरण का स्तर			✓		
	3. शिक्षण–सहायक–सामग्री का प्रयोग					✓
	4. प्रयुक्त उदाहरणों की विषय के साथ संगतता				✓	
	5. छात्र सहभागिता (Participation)				✓	
	6. शरीर संचालन			✓		
	7. छात्रों से सहयोग (Co-ordiation)			✓		
	8. श्यामपट्ट कार्य					✓
	9. पुनर्बलन का प्रयोग				✓	

सामान्य टिप्पणी / सुझाव– केवल किताबी भाषा एवं उदाहरण का प्रयोग न कर पाठ्यवस्तु को रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़कर सरल रूप में समझाना [illegible]

ह./ साक्षी गोस्वामी
प्रशिक्षु अवलोकनकर्ता

MCEM

कक्षा अवलोकन अनुसूची (Class Room Observation Schedule)

Under School Contact Programme

शिक्षक : पूजा कुमारी

विद्यालय का नाम : उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सुल्तानपुर

वर्ग (Class): 8 दिनांक (Date): 14/04/23 कालांश (Period): प्रथम अवधि (Duration): 40 …

विषय (Subject): हिन्दी अध्याय : — प्रकरण (Topic): डॉ. अम्बेडकर ज…

शिक्षण कौशल निर्धारण मापनी (Teaching Skills Rating Scale)

कौशल	व्यवहार कथन	Excellent (A)	V. Good (B)	Good (C)	Average (D)	We…
(A) प्रस्तावना	1. कक्षा से संबंध स्थापित करना			✓		
	2. पाठ में रुचि पैदा करना			✓		
	3. पूर्व ज्ञान से जोड़नेवाला				✓	
	4. छात्रों को अभिप्रेरित करनेवाला		✓			
	5. पूछे गए प्रश्न और उनका स्तर			✓		
	6. विषय का अन्य विषयों से संबंध		✓			
(B) उद्देश्य कथन	उद्देश्य कथन की स्पष्टता		✓			
(C) प्रस्तुतीकरण	1.पाठ्यवस्तु की निर्धारित समयानुकूलता			✓		
	2.पाठ्यवस्तु के स्पष्टीकरण का स्तर		✓			
	3.शिक्षण–सहायक–सामग्री का प्रयोग			✓		
	4.प्रयुक्त उदाहरणों की विषय के साथ संगतता		✓			
	5.छात्र सहभागिता (Participation)			✓		
	6.शरीर संचालन		✓			
	7.छात्रों से सहयोग (Co-ordiation)			✓		
	8.श्यामपट्ट कार्य		✓			
	9.पुनर्बलन का प्रयोग			✓		

सामान्य टिप्पणी / सुझाव– कठिन शब्दों की जगह उनके सरल पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग कर बच्चों के लिए याद करना/समझना सुगम बनाया जा सकता है।

ह./ साक्षी जोशी
प्रशिक्षु अवलोकनकर्ता

मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

प्रशिक्षु-शिक्षार्थी संवाद

रानी कुमारी
कक्षा - VIII th
गाँव - सुल्तानपुर
उम्र - 15 वर्ष

रानी के पिता एक मजदूर हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने की वजह से अभावग्रस्त जीवन की शिलवटें रानी के चेहरे पर सदा बिरी रहती हैं। एक निराशा एवं उदासी के पीछे इसकी मुस्कान दबी सी रहती है। उसे खोलने में कड़ी मशक्कत के बाद मैं ये जान पाई कि वो शिक्षिका बनना चाहती है ताकि वो कमाकर अपने परिवार की आर्थिक मदद कर सके।

रानी पढ़ाई में औसत है। मैंने उसे उसकी स्थिति सुदृढ़ करने तथा अपने उद्देश्य प्राप्ति में आने वाली सभी समस्याओं को दूर करने के कई उपाय बताए एवं शिक्षा ही उसकी सभी परेशानियों को अंत करेगा, यह स्पष्ट किया।

कृष्ण कुमार
पुत्र: उमेश सिंह
कक्षा - VIII th
उम्र - 15 वर्ष
पसंदीदा विषय विज्ञान

कृष्णा के पिता एक प्राइवेट अस्पताल में कर्मचारी हैं। यह 5 भाई - बहन हैं जिनमें यह इकलौता लड़का है। कृष्णा पढ़ाई एवं व्यवहार में काफी अच्छा है। वह गंभीर होने के साथ-साथ विनम्र भी है। वह बातचीत के दौरान बताता है कि उसके पिता उसकी पढ़ाई पर पूरा ध्यान देते हैं एवं ट्यूशन से वह बहुत कुछ सीखता है।

वह डॉक्टर बनना चाहता है। मैंने इसके लिए उसे जीव-विज्ञान अधिक अच्छे से पढ़ने की सलाह दी। उससे बातचीत कर अनुभव हुआ कि परिवार की स्थिति सुदृढ़ होने से बच्चे में भी सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देते हैं।

अंजली कुमारी
पिता – मनचीन पासवान
कक्षा – IV
उम्र – सात वर्ष

अंजली से मेरी बात लंच के दौरान हुई। उसके पिता बेरोजगार हैं। फलतः परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। दुकान से उधार व कर्ज लेकर परिवार का गुजारा चलता है। वह चार भाई-बहन है।

अंजली बुद्धि की तेज है, किंतु उचित संसाधनों एवं मार्गदर्शन के अभाव में वह कक्षा-IV में होते हुए भी अक्षर तक पहचानने में असमर्थ है। पढ़कर अंजली पुलिस बनना चाहती है। वह स्वभाव से चंचल है किंतु अभावग्रस्त जीवन की शिकन उसके मुस्कान को कहीं धूमिल कर देती है। मैं उसकी शैक्षिक बुनियाद ठीक करने हेतु उसे प्रतिदिन अक्षरों की पहचान कराने की पूरी कोशिश कर रही हूँ।

प्रिंस कुमार
पिता – संतोष पासवान
कक्षा – IV
उम्र – 10 वर्ष
गाँव – सुलतानपुर

प्रिंस को मैंने प्रथम दिन से ही एक बहुत ही शरारती बालक के रूप में मैंने देखा है। बहुत ही चंचल एवं अस्थिर प्रवृत्ति के कारण अक्सर वह कक्षा में अपनी शरारतों से व्यवधान उत्पन्न करता है।

उससे बातचीत के दौरान उससे पिता जी के बारे में पूछने पर वह काफी शांत एवं उदास होकर बोला कि उसके पिता इस संसार में नहीं है। इस एक उत्तर ने न जाने कितने प्रश्नों की एक कतार मेरे मन में लगा दी। उसके घर की रोजी-रोटी उसके बड़े भाई की कमाई पर निर्भर है। मैंने उसे लगातार मन लगाकर पढ़ने से सब अच्छा होगा।

मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

T.M. Regd. No. ...
Copyright Regd. No. : A-73230/2005 Dt. 13.5.05
L. N. Dubey (Jabalpur)

Case Study Techniques

CST-D

(व्यक्ति अध्ययन प्रपत्र)

कृपया निम्न सूचनाएँ भरिये :—

क्रमांक 44 दिनांक 29042023

नाम शबनम कुमारी

आयु 13 वर्ष

शिक्षा कक्षा - VI

लिंग महिला

पिता का नाम श्री अजय पासवान

पिता का व्यवसाय मजदूर पिता की मासिक आय 10,000 रु.

अस्थायी निवास स्थान सुलतानपुर

स्थायी निवास स्थान सुलतानपुर

समस्या का पूर्ण विवरण ठीक से सुनने और बोल पाने में असमर्थ

समस्या की जानकारी देने वाले का नाम व पता रेणु देवी, रानी कुमारी (शबनम की चाची एवं दोस्त), पता - सुलतानपुर

Estd. 1971 Mktd by : ✆ : (0562) 2464926

NATIONAL PSYCHOLOGICAL CORPORATION
4/230, KACHERI GHAT, AGRA-282 004 (INDIA)

सामान्य परिचयात्मक विवरण

जन्म सम्बन्धी

जन्म स्थान — दामोदरपुर (नानीघर)

जन्म के समय माता का स्वास्थ्य — बिल्कुल ठीक था।

जन्म के समय बालक का स्वास्थ्य — अच्छा था।

जन्म के समय हुई किसी कठिनाई का वर्णन — कोई कठिनाई नहीं।

बाल्यकाल में हुई बीमारियों का वर्णन — किसी प्रकार की बिमारी नहीं

बचपन में हुई दुर्घटनाओं का वर्णन — नहीं।

बचपन में हुई कोई अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का वर्णन — नहीं, इस समस्या से संबंधित ऐसी कोई घटना नहीं।

विकास सम्बन्धी

बालक ने माँ का दूध पिया है या बाहर का — माँ का।

बैठने की आयु — छः महीने।

खड़े होने की आयु — तीन साल।

चलने की आयु — जन्म के तीन वर्ष बाद।

बोलना प्रारम्भ करने की आयु — जन्म के तीन साल बाद आवाजें निकाल…

बाल्यकाल में बोलने की कठिनाई का विवरण — उनके माता-पिता भी बोलने में असमर्थ है अर्थात यह आनुवंशिक है।

वर्तमान समय में बालक का स्वास्थ्य — बिल्कुल ठीक है, बस वो सुन और बोल पाने में असमर्थ है।

पारिवारिक विवरण

पिता या अभिभावक का नाम — अजय पासवान,

पिता या अभिभावक की आयु — 45 वर्ष,

पिता या अभिभावक का व्यवसाय — मजदूरी

पिता या अभिभावक की उनके व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति — ठीक है

पिता या अभिभावक की शिक्षा — केवल हस्ताक्षर कर पाने में स…

पिता या अभिभावक का स्वास्थ्य — ठीक है।

मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

पिता या अभिभावक के स्वभाव का वर्णन — शांत एवं गंभीर
पिता या अभिभावक की बालक के प्रति अभिवृत्ति — अत्यंत स्नेह करते हैं।
पिता या अभिभावक की बालक से आशाएं — शिक्षिका बनते देखना चाहती हैं।
माता का नाम — कान्ति देवी
माता की आयु — 32 वर्ष
माता की शिक्षा —
माता का व्यवसाय — गृहणी
माता का स्वास्थ्य — सामान्य
माता की बालक के प्रति अभिवृत्ति — पढ़ लिख कर कुछ बन जाए
माता की बालक से आशाएं — पढ़ — लिख कर आत्मनिर्भर बन जाए।
माता का पिता से सम्बन्ध — बहुत अच्छा है।
माता के परिवार के अन्य सदस्यों से सम्बन्ध — स्नेहपूर्ण एवं सहयोगात्मक
भाई-बहिनों की कुल संख्या — 04 भाई — एक बहिन — दो
बालक का क्रमांक (बालक के क्रम पर ✓ में गोला खींचिए)—

	1	2	3	4	5	6	7
बालक	✓	✓		✓			
बालिका			✓		✓		
आयु	16 वर्ष	14 वर्ष	12 वर्ष	10 वर्ष	8 वर्ष		

परिवार के अन्य सदस्यों के नाम, आयु एवं उनका बालक से सम्बन्ध—

1. खोभाई पासवान , , दादा
2. चम्पा देवी , , दादी
3. रेणु देवी , , चाची
4. विजय पासवान , , चाचा
5. कंचन देवी , , बुआ

क्या बालक से उसके माता-पिता स्नेह करते हैं ?	हाँ ☑	नहीं ☐
क्या वे बालक को सदैव प्रोत्साहन देते हैं ?	हाँ ☑	नहीं ☐
क्या बालक की सामान्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने को वे तैयार रहते हैं ?	हाँ ☑	नहीं ☐
क्या वे बालक की पढ़ाई में सहायता करते हैं ?	हाँ ☑	नहीं ☐
क्या वे बालक को उसकी इच्छानुसार कार्य करने, खेलने की सुविधा देते हैं ?	हाँ ☑	नहीं ☐

क्या वे बालक को उसकी रुचि की वस्तुएं लाकर देते हैं ?	हाँ ☒	नहीं ☐
क्या बालक को अपने साथ मनोरंजन हेतु ले जाते हैं ?	हाँ ☒	नहीं ☐
क्या वे बालक के मन में भय जमाने के लिए कभी उसे शारीरिक दण्ड देते हैं ?	हाँ ☐	नहीं ☒
क्या बालक को घर के सामान्य नियमों के पालन हेतु विवश करते हैं ?	हाँ ☐	नहीं ☒
क्या बालक की शारीरिक या बौद्धिक-न्यूनता की तुलना उसके अन्य भाई-बहिनों से करते है ?	हाँ ☐	नहीं ☒

सामाजिक आर्थिक स्थिति

1. परिवार की कुल मासिक आय — 10,000 रु.
2. आय के स्रोत — मजदूरी
3. क्या परिवार का स्वयं का अपना घर है ? — हाँ
4. क्या परिवार के सब सदस्यों के लिए आय पर्याप्त है ? — नहीं
5. क्या परिवार के सब सदस्यों की सामान्य आवश्यकताएँ पूरी हो जाती हैं ? — लगभग हो जाती
6. क्या परिवार को मनोरंजन की सुविधाएँ (रेडियो, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, खेल के साधन आदि) प्राप्त है ? — हाँ
7. क्या परिवार के सम्बन्ध पड़ौसियों से अच्छे है ? — हाँ
8. परिवार के पास-पड़ौस का वातावरण कैसा है ? — शांत, स्नेहपूर्ण एवं सहयोगात्मक
9. पड़ौसी किस व्यवसाय के है ? — सभी मजदूरी करते हैं।
10. परिवार की स्थिति समाज में कैसी है ? — अच्छी एवं प्रतिष्ठित

विद्यालयीन विवरण

विद्यालय में प्रथम प्रवेश के समय की आयु ☐

विद्यालयों के नाम जहाँ-जहाँ बालक ने अध्ययन किया है—

क्रमांक	विद्यालय का नाम	प्रवेश का दिनांक	छोड़ने का दिनांक	कारण
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				

बालक की शैक्षिक प्रगति के पिछले तीन वर्षों का परिणाम—

परीक्षा वर्ष	विषय एवं अंकों का प्रतिशत										
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	अंग्रेजी	हिन्दी	गणित	विज्ञान	सा. अ.						
19........											
19........											
19........											

बालक के रुचिकर विषय ______ विज्ञान।

बालक के अरुचिकर विषय ______ अंग्रेजी।

पाठ्य सहगामी क्रियाओं के नाम जिसमें बालक सक्रिय भाग लेता है ______ खेल-कूद।

पसन्द के खेलों के नाम ______

बालक का अध्यापकों से सम्बन्ध ______ काफी स्नेहपूर्ण एवं सहयोगात्मक।

बालक का अपने सहपाठियों से सम्बन्ध ______ स्नेहपूर्ण, सद्भाव एवं सहयोगात्मक।

विद्यालय का स्तर ______ अच्छा।

समार्जन का विवरण

प्रश्न	हाँ	नहीं
1. क्या बालक चंचल प्रकृति का है ?	☑	☐
2. क्या बालक शान्त प्रकृति का है ?	☐	☑
3. क्या बालक उदास रहता है ?	☐	☑
4. क्या बालक शीघ्र क्रोधित हो जाता है ?	☑	☐
5. क्या बालक भयभीत रहता है ?	☑	☐
6. क्या बालक शीघ्र उत्तेजित हो जाता है ?	☑	☐
7. क्या बालक अधिक संवेदनशील है ?	☑	☐
8. क्या बालक जिम्मेदारी के काम से घबड़ाता है ?	☐	☑
9. क्या बालक प्रत्येक कार्य में शीघ्रता करता है ?	☑	☐
10. क्या बालक हठी स्वभाव का है ?	☑	☐
11. क्या बालक में बदला लेने की भावना तीव्र है ?	☐	☑
12. क्या बालक छोटों और कमजोरों को सताता है ?	☐	☑

13. क्या बालक में सामग्री को नष्ट करने की मनोवृत्ति है ? हाँ ☐ नहीं ☑
14. क्या बालक सदा दिवा-स्वप्न में डूबा रहता है ? हाँ ☐ नहीं ☑
15. क्या बालक घर से अधिक समय तक बाहर रहता है ? हाँ ☐ नहीं ☑
16. क्या बालक अवज्ञाकारी है ? हाँ ☐ नहीं ☑
17. क्या बालक अजनबी लोगों से बात करने में घबड़ाता है ? हाँ ☑ नहीं ☐
18. क्या बालक अपनी आवश्यकता की चीज माँगने में शर्माता है ? हाँ ☐ नहीं ☑
19. क्या बालक एकान्त प्रिय है ? हाँ ☐ नहीं ☑
20. क्या बालक अपने परिवार में अपने आपको दुःखी मानता है ? हाँ ☐ नहीं ☑
21. क्या बालक को अपने अभिभावकों से पूर्ण स्नेह मिलता है ? हाँ ☑ नहीं ☐
22. क्या बालक से उसके भाई-बहिन स्नेह करते हैं ? हाँ ☑ नहीं ☐
23. क्या बालक अपने मित्रों के साथ बाहर खेलने जाता है ? हाँ ☐ नहीं ☑
24. क्या बालक का विद्यालय में सम्मान है ? हाँ ☑ नहीं ☐
25. क्या बालक को उसके शिक्षक चाहते हैं ? हाँ ☑ नहीं ☐
26. क्या बालक शीघ्र नए लोगों से मित्रता कर लेता है ? हाँ ☐ नहीं ☑
27. क्या बालक नवीन स्थान में भी प्रसन्नता का अनुभव करता है ? हाँ ☑ नहीं ☐
28. बालक अवकाश के समय क्या करता है ? खुद को सजाती या कलाकारी करती
29. बालक प्रायः किस प्रकार की पुस्तकें पढ़ना पसन्द करता है ? ______
30. बालक की रुचि या हॉबी क्या है ? रचनात्मक गतिविधियों का हिस्सा बनना
31. बालक के घनिष्ठ मित्रों सम्बन्धी विस्तृत जानकारी ______

बालक के व्यक्तिगत गुण

योग्यता	मनोवैज्ञानिक परीक्षण का नाम	परिणाम
1. बौद्धिक योग्यता		
2. अभिक्षमता		
3. अभिरुचि शैक्षिक		
4. अभिरुचि व्यावसायिक		
5. व्यक्तित्व		
6. समायोजन		
7.		
8.		

क्या बालक अधिक चंचल है ? हाँ ☑ नहीं ☐

क्या बालक में कौतूहल की भावना है ? हाँ ☑ नहीं ☐

क्या बालक में रचनात्मक प्रवृत्ति है ? हाँ ☑ नहीं ☐

बालक के व्यक्तित्व सम्बन्धी अन्य गुणों का वर्णन — साफ - सफाई के प्रति सजग एवं फुर्तीली

बालक के व्यक्तित्व सम्बन्धी दोषों का वर्णन —

बालक के अपने प्रति दृष्टिकोण का वर्णन — स्व-प्रेम एवं सजने के प्रति रुचि

बालक अपनी समस्या किस प्रकार देखता है ? — माँ बाप के कारण उसे भी यह समस्याएँ।

बालक अपनी समस्या का मुख्य कारण क्या मानता है ? — माता - पिता की असमर्थता (आनुवंशिकी)

बालक की कौन-सी इच्छाएँ पूरी नहीं हो सकी है ? — बोल पाने, पढ़ पाने की इच्छा

बालक की अपने भावी-जीवन की क्या योजनाएँ हैं ? — पढ़ - लिख कर आत्मनिर्भर बनना

बालक की समस्या के प्रति अन्य व्यक्तियों का अभिमत

1. पिता का अभिमत — ~~अनु~~ अनुवांशिकता इसका कारण है।
2. माता का अभिमत — आनुवंशिक असमता है।
3. अध्यापक का अभिमत — इलाज द्वारा समस्या का समाधान किया जा सकता है।
4. मित्रों का अभिमत — अनुवांशिक है, इलाज से कुछ नहीं होगा।
5. पड़ोसियों का अभिमत — अनुवांशिक है।
6. अन्य सम्बन्धी व्यक्ति का अभिमत — इलाज द्वारा सुधार लाया जा सकता है।

मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

बालक की समस्या पर परामर्शक का अभिमत

1. प्रमुख समस्या का वर्णन — सुनने एवं बोल पाने में असमर्थ
2. समस्या के सम्भवत: कारण — आनुवंशिकता या संभवत: गले में कोई समस्या
3. समस्या निवारण हेतु मार्ग-दर्शन — इलाज, एवं इस भ्रम से मुक्त होना कि ठीक नहीं होगा।
4. अनुवर्ती अध्ययन का परिणाम — बच्ची की यह समस्या आनुवंशिकी का परिणाम है जो कि उसकी बौद्धिक क्षमता को परिभाषित नहीं करता।

शबनम एवं उसकी मासी के साथ (व्यक्ति अध्ययन के दौरान शबनम के घर पर)

© 2011 All rights reserved Reproduction in any form is a violation of Copyright Act.
Consumable Booklet of Case Study Techniques (CST-e) Hindi Version

MCEM मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट

MAITREYA COLLEGE OF EDUCATION & MANAGEMENT

Affiliated to Aryabhatta Knowledge University, Patna

EPIP CAMPUS, INDUSTRIAL AREA, HAJIPUR- 844102(VAISHALI)

सीखने की योजना (Learning Plan)

प्रशिक्षु का नाम:- साक्षी गोस्वामी	क्रमांक:- 1073	तिथि:-
विद्यालय का नाम:- उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुजफ्फरपुर		
विषय:- हिन्दी	उपविषय:- गद्य (कहानी)	कक्षा:- 7
अध्याय:- 7		अवधि:- 40 मिनट
अध्याय का प्रकरण:- साइकिल की सवारी		कालखण्ड:- IV

विषयवस्तु से संबंधित पूर्व समझ की समीक्षा — Review of pre-understanding about the topic

1. शिक्षार्थियों की विषयवस्तु संबंधी पूर्व–समझ:-

क्या जो पढ़ाये जानेवाला शीर्षक है, उससे शिक्षार्थी पहले से परिचित है? क्या विषयवस्तु के अंदर चर्चित बातें शिक्षार्थियों के परिवेश या आस–पास की दुनिया में शामिल है? कैसे या कैसे नहीं?

हाँ, विषयवस्तु के अंदर चर्चित बिंदु शिक्षार्थियों के परिवेश एवं उनके बचपन से अटूट संबंध रखता है। साइकिल एवं उसकी सवारी हर बचपन का एक अनोखा पल होता है।

2. प्रशिक्षु का विषयवस्तु से सम्बंधित पूर्व–समझ:-

क्या आपने इस विषयवस्तु को पहले पढ़ा या पढ़ाया है? क्या आप के पास इस विषयवस्तु की पर्याप्त समझ है, जिससे कि आप उसे शिक्षार्थियों को पढ़ा सकें?

हाँ, मैंने इस विषयवस्तु को कई बार पढ़ा है (ट्यूशन पढ़ाने के दौरान) मैं उस विषयवस्तु को पढ़ा सकती हूँ।

3. स्कूल पाठ्यचर्या–पाठ्यक्रम से विषयवस्तु का सम्बंध:-

यह विषयवस्तु इस कक्षा के पाठ्यचर्या–पाठ्यक्रम में उल्लिखित किन उद्देश्यों से जुड़ा हुआ है?

- निरंतर अभ्यास की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना।
- नये ज्ञान को सीखने एवं अर्जित करने की जिज्ञासा के प्रति सकारात्मक / प्रयोगात्मक पहल।

यह विषयवस्तु इस कक्षा के और किन–किन विषयों / इकाइयों से जुड़ा है?

यह विषयवस्तु विज्ञान, मनोविज्ञान, सामाजिक-विज्ञान एवं भौतिकी से जुड़ा है।

क्या यह विषयवस्तु पूर्व की कक्षाओं के पाठ्यक्रम में भी शामिल है, कैसे?

हाँ, इससे पूर्व की कक्षाओं में साइकिल के विषय में उचित जानकारी बच्चों को प्राप्त है।

प्रशिक्षु द्वारा विषयवस्तु के शिक्षण से पूर्व विषय संदर्भ का अध्ययन किया गया? यदि हाँ तो संदर्भ का विवरण दें।

हाँ, मेरे द्वारा शिक्षण से पूर्व विषय संदर्भ का अध्ययन किया गया जो है — BS TBPC (पुस्तक) सुदर्शन किसलय भाग-2, वर्ग-7

विषयवस्तु के शिक्षणशास्त्रीय योजना का निर्माण — **Pedagogical Planning of the content**

1. विषयवस्तु/उप विषयवस्तु का विवरण एवं सीखने का महत्व:-

पाठ में दिए अनुसार विषयवस्तु का संक्षिप्त परिचय लिखें। फिर चिंतन-मनन के माध्यम से यह विश्लेषण भी लिखें कि यह विषयवस्तु शिक्षार्थियों को क्यों पढ़ाया जाना चाहिए? इससे शिक्षार्थियों के विकास के किन आयामों पर विशेष प्रभाव पड़ेगा?

पाठ का संक्षिप्त परिचय :- पाठ में साइकिल की सवारी से संदर्भित एक कहानी का वर्णन है, जिसमें लेखक बचपन में साइकिल न सीख पाने की स्थिति में बड़े होकर साइकिल सीखने को जिज्ञासु होता है। तथा इसके लिए योजना तैयार करता है। जिसके लिए वह एक पुरानी साईकिल, एक फटा-पुराना कपड़ा तथा एक सिखाने वाले व्यक्ति का प्रबंध करता है जिसके लिए फीस भी तय की जाती है।

अंततः वह साइकिल चलाना सीख तो लेता है किंतु ब्रेक लगाने एवं साइकिल रोकने की कुशलता प्राप्त किए बिना ही सड़क पर निकल एवं धक्का खा घायल हो जाता है।

सीख

- किसी चीज को सीखने की उम्र नहीं होती।
- किसी कार्य को पूरी तरह सीख कर ही उसे आगे बढ़ाना चाहिए।

इस पाठ से प्रभावित होनेवाले विकास के आयाम:
- → मानसिक विकास
- → बौद्धिक विकास
- → कौशल विकास
- → संवेगात्मक "

2. सीखने-सिखाने की विधियों/प्रविधियों का शिक्षणशास्त्रीय चयन:-

विषयवस्तु को पढ़ाने के लिए आप किन-किन शिक्षण-विधियों/प्रविधियों को चुनेंगे? आपने उन्हीं विधियों/प्रविधियों को ही क्यों चुना?

⇒ TLM के रूप में मैं साइकिल या उसके मॉडल का प्रयोग करूँगी।

⇒ विधि ⇒ प्रयोग विधि, सामूहिक चर्चा, प्रश्नोत्तरी विधि आदि का चयन करूँगी।

⇒ इससे विद्यार्थियों में बेहतर समझ एवं करके सीखने से विषयवस्तु के उद्देश्यों को बेहतर समझ पाएँगे।

कुछ सुझावात्मक विधि	
प्रयोग	खोज
खेल	रोल-प्ले
सामूहिक चर्चा	
समूह कार्य	
एकल कार्य	
पठन-लेखन	
परिभ्रमण	
कला आधारित शिक्षण	
प्रश्नोत्तरी विधि	
आई.सी.टी. : मोबाइल, टी.वी., कम्प्युटर द्वारा	

सीखने की विधियों/प्रविधियों तथा शिक्षणशास्त्र का संक्षिप्त विवरण योजना	Functional Plan ध्यान में रखने योग्य सामान्य बिन्दु
• हाँ, स्वयं कर के सीखने एवं प्रश्न पूछ अपनी जिज्ञासा शांत करने का पूरा अवसर उन्हें दिया जायेगा। • शिक्षार्थियों के मनोदशा एवं उनकी बाल सुलभ जिज्ञासाओं को ध्यान में रखते हुए कहानी का प्रस्तुतीकरण करना शामिल है ताकि बच्चे इस कहानी से सद्गुण एवं दुर्गुण की शिक्षा ले सकें। • हाँ, इसमें जेण्डर संवेदनशीलता तथा NCF 2005 एवं BCF 2008 के सुझावों को पूर्णतः ध्यान में रखा जाएगा। तथा शिक्षण कराया जाएगा।	• क्या शिक्षार्थियों के संदर्भ को ध्यान मे रखा गया है? आप किस प्रकार के उदाहरणों को प्रस्तुत करेंगे। • शिक्षार्थियों को स्वयं से सीखने का कितना अवसर है? उन्हें सवाल पूछने का कितना अवसर है? • सीखने- सिखाने का समयानुपात क्या है? एक पाठांश का कितना समय शिक्षक के सक्रिय निर्देशन में है और कितना समय शिक्षार्थियों को स्वतंत्र चिंतन व कार्य करने के लिए दिया गया है। • क्या योजना में सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक, आदि मुद्दों को शामिल करने की संभावना है? • एन.सी.एफ.–2005 व बी.सी.एफ.–2008 के सुझाए बिन्दुओं का कितना ध्यान रखा गया है? • क्या योजना मे सामाजिक व संवैधानिक मूल्यों को समाहित करने की संभावना है? • क्या सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की कोई प्रक्रिया भी साथ–साथ चल रही है? • इस योजना के क्रियान्वयन में आपको क्या–क्या चुनौतियां आ सकती है? • इस योजना में कितना लचीलापन है, अर्थात कक्षा के माहौल के हिसाब से इस योजना में बदलाव की कितनी संभावना हो सकती है। • क्या योजना में जेण्डर संवेदनशीलता का ध्यान रखा गया है ? • क्या कक्षा के अंत में पुनरावृत्ति की कोई आवश्यकता है? यदि हां तो कैसे करेंगे ? • इस विषयवस्तु के लिए किस प्रकार का गृहकार्य उपयोगी होगा।

प्रशिक्षु द्वारा स्वमूल्यांकन के सुझावात्मक बिन्दु (शिक्षण के बाद किया जाने वाला कार्य)

कितने विद्यार्थियों ने सवाल पूछे? विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रमुख सवाल क्या थे? क्या उन सवालों के उत्तर को, कक्षा में अच्छी तरह समझाया?, या फिर अगली कक्षा में उनपर बात करनी होगी? — लगभग सभी बच्चों ने सवाल पूछे। बच्चे डर एवं सीखने के लिए आने वाली चुनौतियों से निपटने के संदर्भ में सवाल पूछ रहे थे जिनका उत्तर मैंने उन्हें दिया।

क्या, जिन विद्यार्थियों को विशेष सहायता या अनुपूरक शिक्षण की जरूरत है, उनकी पहचान मैंने की?
हाँ, कक्षा - 7 का ही एक बालक कृष्णा को विशेष सहायता की जरूरत है।

विषयवस्तु के शिक्षण में मैंने किन शिक्षण–अधिगम सामग्रियों (टी.एल.एम.) का प्रयोग किया? उनकी क्या उपयोगिता रही?
मैंने साईकिल तथा उसके चलाने की क्रिया द्वारा समझाया जिसे बच्चे रुचि लेकर सुन एवं सीख रहे थे।

क्या विद्यार्थियों ने उन उद्देश्यों को समझा जिसके लिए यह विषयवस्तु थी? इसका मूल्यांकन मैंने किया कि नहीं?
हाँ, उन्हें इस विषयवस्तु के उद्देश्य समझ लिया, जिसका मूल्यांकन मैंने प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग कर किया।

शिक्षण के दौरान मुझको कक्षा में क्या किसी परेशानी का सामना करना पड़ा? इस विषयवस्तु को यदि दोबारा पढ़ाना हो तो मैं सीखने की योजना में क्या बदलाव करूँगा/ करूँगी?
नहीं, बच्चे रुचि ले रहे थे जो सीखने की पहली प्राथमिकता है। हालांकि कुछ बच्चे शोर कर रहे थे जो चिंताजनक था

इस विषयवस्तु से संबंधित ऐसे सवाल जिन्हें अपने संस्थान के विषय–विशेषज्ञ अथवा मेंटर से चर्चा करने की अपेक्षा है?
हाँ, ये सवाल हैं:— (1) बच्चों को बिना दंडित किए उनसे अपेक्षित व्यवहार कैसे करवाएँ।

कोई अन्य टिप्पणी

बच्चों को उनके दैनिक जीवन एवं उनके अनुभवों से जोड़कर पढ़ाना / सिखाना चाहिए।

अवलोकनकर्त्ता की टिप्पणी (शिक्षण के दौरान किया जानेवाला कार्य)

आलोचनात्मक बिन्दु

अवलोकनकर्त्ता के द्वारा कक्षा का आँखो देखा वर्णन। जो कुछ भी कक्षा में घटित हो रहा है, उसे सीधे-सीधे दर्ज करना।

- बच्चों को अभिप्रेरित करने में सफल रही।
- सरल भाषा तथा उदाहरणों के प्रयोग से उद्देश्य कथन स्पष्ट हुआ।
- बच्चों के पूर्व ज्ञान से जोड़ तथा टी.एल.एम. द्वारा रुचिकर ढंग से किया गया शिक्षण प्रभावशाली रहा। बच्चे सहयोग कर रहे थे।

समीक्षात्मक बिन्दु

कक्षा में जो कुछ भी घटित हुआ, उसपर N.C.F.–2005, B.C.F.–2008 व N.C.F.T.E.–2010 द्वारा सुझाए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों के आलोक में समीक्षात्मक टिप्पणी। प्रशिक्षु से और क्या–क्या अपेक्षा की जा सकती है, इस संदर्भ में कुछ महत्वपूर्ण सुझाव।

- बच्चों की विशिष्टताओं एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्यान में रखा गया।
- उनके वास्तविक जीवन से जोड़कर उनकी भाषा में समझाया ताकि उन्हें रटना न पड़े।
- उनके सर्वांगीण विकास के उद्देश्य को समाहित किए एवं बाल - केंद्रित शिक्षण-पद्धति का अनुसरण किया गया।
- इन्हें उचित अवसर प्रदान किए गया एवं चिंतन, मनन, विश्लेषण आदि की क्षमता विकसित हुई।

कुछ मार्गदर्शक सिद्धांत

- बच्चों की अस्मिता एवं विविधता का सम्मान करना।
- एक 'प्रोफेशनल' शिक्षक / शिक्षिका के रूप में कक्षा के सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में भूमिका निभाना।
- आलोचनात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करना।
- बिहार के क्षेत्रीय एवं ग्रामीण संदर्भ को महत्व देना।
- लोकतांत्रिक कक्षा के माहौल को तैयार करना।
- ज्ञान को स्कूल के बाहर के जीवन से जोड़ना।
- पढ़ाई रटंत प्रणाली से मुक्त हो, यह सुनिश्चित करना।
- पाठ्यचर्या का इस तरह संचालन कि वह बच्चों को बहुमुखी विकास के अवसर मुहैया कराए बजाए कि वह पाठ्यपुस्तक-केन्द्रित बन कर रह जाए।
- परीक्षा को अपेक्षाकृत अधिक लचीला बनाना और कक्षा की गतिविधियों से जोड़ना।
- एक ऐसी प्रभावी पहचान का विकास जिसमें प्रजातांत्रिक राज्य-व्यवस्था के अंतर्गत राष्ट्रीय चिंताएं समाहित हों।

10/05/2023

प्रशिक्षु का हस्ताक्षर

पर्यवेक्षक का हस्ताक्षर